राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

ये 5 हेयरस्प्रे हैं हर तरह के बालों के ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

सोमवार, 13 फरवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 54 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बंगाल के जंगलराज से जनता को मिलेगा छुटकारा, ममता पर जमकर बरसे नड्डा

बर्धमान। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों के लिए तैयारी करने में जुटी हुई है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस दौरान पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्द्धमान और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में दो रैलियों को संबोधित किया है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को राज्य के दौरे पर पहुंच गए थे। यहां वो दो दिवसीय दौरे पर है। बर्धमान में रैली के दौरन जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की सरकार पर जमकर निशाना साधा और तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि बंगाल में बदलाव होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जंगलराज खत्म होने वाला है। यहां कोई सुशासन नहीं है। बंगाल में केंद्र द्वारा कई विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। हमने लोगों को चावल और गेहूं बांटे लेकिन टीएमसी कार्यकर्ताओं ने राशन का सामान चुरा लिया। उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां मौजूद जन सैलाब देख रहा हूं तो यह जन सैलाब बताता है कि बंगाल में परिवर्तन होने वाला है।

ममता राज का जो जंगल राज यहां कायम है उसको बंगाल की जनता अलविदा कहने वाली है। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जिक्र करते हुए कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा प्रचारित विचारधारा को पीएम मोदी द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है और इसने बीजेपी को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बना दिया है। जिस विचारधारा को हमने आगे बढ़ाया है और संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से आए हैं जो इस पवित्र भूमि से आए हैं। रैली से पहले की बैठकः सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल में आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए कोलकाता में पार्टी नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की। इससे पहले वह 19 जनवरी को राज्य में आए थे। भाजपा के एक नेता ने कहा कि बंद कमरे में हुई संगठनात्मक बैठक के दौरान नड्डा जी ने राज्य के नेताओं से तृणमूल कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ लड़ने को कहा। नड्डा आज पहले पूर्व बर्द्धमान में पूर्वस्थली में काली मंदिर जाएंगे और फिर नजदीक के एक मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी में एक अन्य रैली को संबोधित करेंगे। कांथी विपक्ष के नेता और नंदीग्राम से विधायक शुभेंदु अधिकारी का गृह नगर है। नड्डा के कार्यक्रम देशभर में उन 144 लोकसभा सीटों पर अपने संगठन को मजबूत करने के भाजपा नेतृत्व के 'प्रवास' अभियान का हिस्सा हैं जिन पर पार्टी 2019 के चुनावों में मामूली अंतर से हार गयी थी। अगले कुछ महीनों में नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 12–12 रैलियों को संबोधित करेंगे। बहरहाल, राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने नड्डा के दौरे को ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

टीएमसी पर जमकर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव, गरीब, वंचित और पीड़ित को ताकत देने का काम किया है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न उपलब्ध करवाया लेकिन यहां ज्डब के लोगों ने उस पर भी डाका डाला। हम भेदभाव नहीं करते हैं और इस वर्ष के बजट में पश्चिम बंगाल के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर धन आवंटित किया है। कोलकाता मेट्रो के लिए 1,000 करोड़ रुपये, चितरंजन कैंसर सेंटर के लिए 15 करोड़ रुपये, सत्यजीत रे फिल्म टेक्नोलॉजी के लिए 63 करोड़ रुपये और आईएसआई के लिए 23 करोड़ रुपये आवंटित किए है। टीएमसी पार्टी के कार्यकर्ता गरीबों और दलितों के लिए बनी चीजों को लूट रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार के मामले में आज बंगाल चौथे नंबर पर है, ऐसिड अटैक के मामले में पहले नंबर पर है।

दिल्ली से जयपुर का सफर हुआ आसान

3 घंटे में तय होगी दूरी, पीएम मोदी देंगे एक्सप्रेसवे की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 फरवरी को ऐसी सौगात देने

वाले हैं जिससे दिल्ली और जयपुर वासियों की बांछे खिल जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 फरवरी को दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे को देश को समर्पित करेंगे। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे के दिल्ली दौसा लालसोट खंड को ही अभी समर्पित किया जाएगा। इस एक्सप्रेस वे के उद्घाटन के बाद दिल्ली से जयपुर की दूरी मजह 3 घंटे में पूरी ही सकेगी। जानकारी के मुताबिक इसे 14 फरवरी से यातायात के लिए पूरी तरह से खोला जाएगा। बता दें कि सोहना और दोसा के बीच की दूरी 246 किलोमीटर है। भारत के दो शहरों को जोड़ने वाला दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे की कुल लंबाई 1380 किलोमीटर होगी। इस एक्सप्रेसवे के दिल्ली–दौसा–लालसोट खंड के निर्माण में 12,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है।

जनता को मिलेगी राहतः जानकारी के मुताबिक इस खंड के चालू होने से जयपुर से दिल्ली की दूरी पांच घंटे से घटकर सिर्फ तीन घंटे रह जाएगी। खंड के खुलने से पूरे क्षेत्र में आर्थिक विकास को बल मिलेगा। ये खंड आर्थिक रूप से भी समृद्धि लाएगा।

हरियाणा को मिलेगी नई सूरत

इस एक्सप्रेस वे का कुछ हिस्सा हरियाणा से होकर भी निकलेगा। इसमें गुरुग्राम, पलवल और नूंह जिले शामिल है। एक्सप्रेस वे का 160 किलोमीटर का हिस्सा हरियाणा से होकर निकलेगा। इसमें गुरुग्राम के 11 गांव, पलवल के सात गांव और नूंह के 47 गांवों से एक्सप्रेसवे होकर गुजरेगा। ये एक्सप्रेस वे मुंबई दिल्ली एक्सप्रेस वे से जुड़ेगा। इसमें डीएनडी से जैतपुर तक, जैतपुर से बल्लभगढ़ तक और बल्लभगढ़ से सोहना तक का खंड एक्सप्रेस वे से जुड़ेगा।

यूपी को उत्तम निवेश प्रदेश बनाने में सहायक होगा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : द्रौपदी मुर्मु

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में अवश्यम्भावी सिद्धि बनने वाले ऐतिहासिक यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 का समापन रविवार शाम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मार्गदर्शन के साथ हुआ। तीन दिवसीय यूपी जीआईएस का शुभारंभ 10 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस समिट के जरिये उत्तर प्रदेश में समावेशी विकास के लिए करीब 33 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के करार हुए जिनसे लगभग 93 लाख नए रोजगार सृजित होंगे। उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि समावेशी विकास की सोच के साथ आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति के सार्थक परिणाम आएंगे। उत्तर प्रदेश को विश्वव्यापी ख्याति मिलेगी। दूरदर्शितापूर्ण नीतियों को लागू कर तथा उसके कार्यान्वयन से उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप नए भारत का ग्रोथ इंजन बनने के लिए सक्षम भी है और इसके लिए तैयार भी है। उत्तर प्रदेश समृद्ध होगा तो भारत भी समृद्ध होगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट उत्तर प्रदेश को उत्तम निवेश प्रदेश बनाने में सहायक सिद्ध होगा। वृंदावन योजना के वाल्मीकि मेन हाल में उपस्थित देश विदेश के उद्यमियों, निवेशकों, नवाचारियों, नीति निर्माताओं, मंत्रियों, अधिकारियों आदि को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। देश की कई योजनाओं में या पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती अन्नदाता की धरती है। खाद्यान्न, गन्ना, आलू आदि व दूध के उत्पादन में यह देश में अग्रणी है। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्यमिता विकास की अनेक संभावनाएं हैं। प्रसन्नता की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहित कर रही है। खुद को किसान परिवार का सदस्य बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि व कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों हेतु वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनकी टीम की प्रशंसा करती हैं।

बीजेपी की 'डबल इंजन' सरकार ही त्रिपुरा को 'तिहरी मुसीबत' से बचा सकती हैः शाह

चांदीपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि

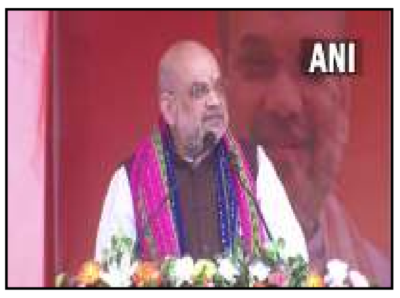

त्रिपुरा आगामी राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, माकपा और टिपरा मोथा की तिहरी मुसीबत का सामना कर रहा है। शाह ने यह भी कहा कि त्रिपुरा में लंबे समय तक आदिवासियों को धोखा देने वाला वाम दल अब लोगों को ''धोखा'' देने के लिए एक आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश कर रहा है। उन्होंने यहां उनाकोटी जिले में एक रैली में कहा, ''यदि आप इस 'तिहरी मुसीबत' से बचना चाहते हैं तो 'डबल इंजन' वाली भाजपा सरकार को वोट दें।'' जितेंद्र चौधरी माकपा के शीर्ष आदिवासी नेताओं में से एक हैं और त्रिपुरा में वाम–कांग्रेस गठबंधन के सत्ता में आने की स्थिति में उन्हें मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। माकपा और कांग्रेस 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 16 फरवरी को होने वाले चुनाव में मिलकर लड़ रही हैं। शाह ने कहा कि कांग्रेस और वाम दल का एकसाथ आना इस बात का संकेत है कि उन्होंने चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हार मान ली है। केंद्रीय मंत्री शाह ने त्रिपुरा में गरीबों के लिए 2025 तक आवास का वादा भी किया।

क्मसीपरू उपराज्यपाल ने महापौर के चुनाव के लिए 16 फरवरी को एमसीडी सदन की बैठक की अनुमति दी

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने महापौर का चुनाव कराने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी)सदन के अगले सत्र की बैठक 16 फरवरी को बुलाने की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली सरकार ने सदन का 16 फरवरी को सत्र बुलाने के लिए प्रस्ताव भेजा था, जिसे सक्सेना ने स्वीकार कर लिया है। गौरतलब है कि पिछले एक महीने में एमसीडी सदन की अब तक तीन बैठकें मनोनीत पार्षदों (एल्डरमैन)को मताधिकार देने के फैसले को लेकर हंगामे के बीच महापौर, उपमहापौर और नगर निकाय की स्थायी समिति के चयन के बिना स्थगित हो चुकी हैं। नगर निकाय के दिसंबर

में चुनाव के बाद सदन की बैठक पहले छह जनवरी को बुलाई गई थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच तीखी बहस के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद सदन की दूसरी बैठक 24 जनवरी को हुई थी। उस समय सदन को शपथ ग्रहण समारोह के बाद संक्षिप्त रूप से स्थगित कर दिया गया था और फिर प्रोटेम पीठासीन अधिकारी ने बैठक को कुछ पार्षदों के हंगामे के बीच स्थगित कर दिया था। इसके बाद सदन को पिछले सोमवार को तीसरी बार स्थगित कर दिया गया। आप ने आरोप लगाया है कि महापौर का चुनाव इसलिए नहीं हो सका क्योंकि भाजपा ''लोकतंत्र और भारत के संविधान का गला घोंट रही है'', जबकि भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर महापौर के चुनाव को रोकने के लिए बहाने बनाने का आरोप लगाया और उसे गतिरोध के लिए दोषी ठहराया। राष्ट्रीय राजधानी में एमसीडी का चुनाव पिछले साल चार दिसंबर को हुआ था और सात दिसंबर को नतीजे आए थे। 'आप' ने 250 में से 134 वार्ड पर जीत हासिल की थी जबकि भाजपा को 104 सीट मिली थीं।

Tripura में भाजपा को मदद पहुंचाने को खेल खेल रही है टीएमसीः अजय कुमार

नयी दिल्ली/अगरतला। त्रिपुरा के कांग्रेस

प्रदेश प्रभारी अजय कुमार ने रविवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मदद पहुंचाने के लिए ''एक खेल खेल रही है , लेकिन वह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस–वाम गठबंधन की संभावनाओं को बाधित नहीं कर पाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाम–कांग्रेस गठबंधन पर कटाक्ष किए जाने के एक दिन बाद, कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य में गठबंधन मजबूत स्थिति में है क्योंकि त्रिपुरा में कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के बीच राजनीतिक समानता है। उन्होंने अगरतला से टेलीफोन पर 'पीटीआई–भाषा' के साथ एक साक्षात्कार मेंकहा, ''आप (वाम–कांग्रेस गठबंधन के लिए) जमीन पर भीड़ देख सकते हैं। नेताओं के बीच छोटे मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन कैडर के सभी लोग एकसाथ हैं। मैं पूरे त्रिपुरा में दौरे कर रहा हूं, यह देखकर काफी खुशी हो रही है।'' टिपरा मोथा पार्टी द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में आधार हासिल करने और यह पूछे जाने पर कि क्या इससे वाम–कांग्रेस गठबंधन पर असर पड़ेगा, कुमार ने त्रिपुरा में माकपा के प्रमुख जितेंद्र चौधरी की ओर इशारा किया, जो एक आदिवासी नेता हैं। कुमार ने कहा, ''वह (चौधरी) वास्तव में एक ऐसे नेता हैं जो उनकी (आदिवासियों की) बोलते हैं। वह धरतीपुत्र हैं। इसलिए मुझे लगता है कि आदिवासी भी समझ रहे हैं कि जितेंद्र चौधरी वास्तविक आदिवासी आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य के आदिवासी लोग चौधरी और कांग्रेस नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं।

ओम और अल्लाह पर अरशद मदनी ने दिया विवादित बयान

बीजेपी सांसद ने पलटवार कर कहा– ऐसे लोग देश तोड़ना चाहते हैं

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा–ए–हिंद (एएम समूह) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने प्रसिद्ध जैन मुनि आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी में ओम और अल्लाह तथा मनु और पैगंबर आदम को एक बताते हुए रविवार को दावा किया कि बहुसंख्यक समाज के पूर्वज हिंदू नहीं थे, बल्कि मनु थे, जो एक ओम यानी अल्लाह की इबादत करने वाले थे। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के घर वापसी संबंधी बयान पर मदनी ने कहा कि इस्लाम भारत के लिए

कोई नया मजहब नहीं है, बल्कि अल्लाह ने पैगंबर आदम यानी मनु को यहीं उतारा, उनकी पत्नी हव्वा को उतारा, जिन्हें वे (हिंदू) हमवती कहते हैं और वे सारे नबियों, मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों के पूर्वज हैं। उन्होंने ये बयान जमीयत उलेमा–ए–हिंद के 34वें अधिवेशन में दिया है। मौलाना मदनी के बयान पर आचार्य लोकेश मुनि (जैन मुनि) ने असहमति जताते हुए कहा कि भगवान ऋषभदेव पहले तीर्थंकर थे, जिनके पुत्र भरत के नाम पर इस भारत देश का नाम पड़ा है और मदनी को शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित करते हुए जमीयत के 36वें अधिवेशन से चले गए। बता दें कि इस मामले पर अब काफी बहस होने लगी है। ये है मामलाः बता दें कि मदनी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के लिए आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग किया था। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ जहर उगला था। उन्होंने कहा था कि अल्लाह ने धरती पर आदमी को उतारा है। उन्होंने सवाल किया कि हमारे मजहब में दखल क्यों दिया जाता है। सबसे पहला आदमी नबी मनु था, जो कि हिंदू नहीं था। ये सिर्फ हिंदु ही नहीं बल्कि मुस्लिम, सिख, ईसाई सबके पूर्वज हैं। बता दें कि मदनी के इस बयान का जैन गुरु लोकश मुनि भी विरोध कर चुके है।

बीजेपी सांसद ने किया पलटवार

मौलाना अरशद मदनी के बयान पर अब भारतीय जनता पार्टी ने भी पलटवार किया है। भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने कहा कि मदनी जैसे लोग देश को तोड़ने में जुटे है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि सनातन धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत का कहना है कि सब एक डीएनए के है। सभी के पूर्वज एक है। उन्होंने कहा कि मौलाना अरशद मदनी को बयान देने से पहले समझना चाहिए कि देश में एक कानून और एक संविधान चलेगा। ये हिंदुओं–मुसलमानों पर लागू होता है और किसी के लिए नए व अलग नियम लागू नहीं होंगे।

रू. 85.25 करोड़ लागत के 20 निवेश प्रस्तावों के लिए डीएम ने प्रदान किये एमओयू प्रमाण—पत्र

बहराइच। इन्वेस्टर समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को अमलीजामा पहनाये जाने तथा निवेशकों को तकनीकी सपोर्ट तथा उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इन्वेस्टर समिट के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि निवेशकर्ताओं को यदि किसी विभाग से कोई समस्या आ रही है तो सम्बन्धित निवेशक लिखित रूप से अपनी समस्या से अवगत करा दें ताकि विलम्बतम 15 मार्च तक उसका समाधान कराकर निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा सके।

आकांक्षात्मक जनपद बहराइच में पर्यटन, कृषि तथा कृषि उत्पाद आधारित उद्योगों की अपार संभावनाओं को देखते हुए डीएम ने निवेशकों एवं उद्यमियों को सुझाव दिया कि खाद्य प्रसंस्करण तथा पर्यटन आधारित उद्योगों में निवेश करें। जिला प्रशासन की ओर से निवेशकों को हर संभव सहायता प्रदान की जायेगी। डॉ. चन्द्र ने कहा कि कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार सम्पूर्ण विश्व में अपनी विविधता की पहचान रखता है साथ ही महाराजा सुहेल देव के स्मारक स्थल का निर्माण कार्य पूरा हो जाने पर जिले में पर्यटकों की संख्या में गुणात्मक इजाफा होगा। पर्यटन के सहारे जिले के विकास को गति प्रदान की जा सकती है।

डीएम डॉ. चन्द्र ने कहा कि आज के युग में जनस्वास्थ्य के लिए पौष्टिक अनाजों का उपयोग समय की जरूरत बन गई है। आवश्यकता इस बात की है कि पौष्टिक अनाजों के उपयोग के लिए लोगों को विशेषकर युवा पीढ़ी को जागरूक किया जाए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से पौष्टिक अनाजो (मिलेट्स) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिलेट्स (पौष्टिक अनाज) यथा मडुआ, ज्वार, सावा, चना, बाजरा, रागी एवं कोदो, कुटकी इत्यादि पौष्टिक अनाजों के उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के प्रस्ताव पर ही संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को इण्टरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के रूप में मनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय प्राकृतिक खेती व पौष्टिक अनाज के लिए गोल्डेन एरा साबित होने वाले हैं। इसलिए निवेशकों को इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत है।

बैठक के दौरान डीएम डॉ. चन्द्र ने निवेशक आशुतोष कुमार मौर्या द्वारा रू. 11 करोड़ की लागत से 05 किलो लीटर प्रतिदिन क्षमता के मिल्क प्लान्ट, लक्ष्मी प्लाजा के अमित अग्रवान द्वारा रू. 10 करोड़ की लागत से मिनी मॉल, प्रमोद कुमार सिंह द्वारा रू. 10 करोड़ की लागत से जैगरी प्रोडक्ट्स की निर्माण इकाई व रू. 02 करोड़ की लागत से सीमेन्ट्र बाउण्ड्री ब्लाक्स निर्माण इकाई, बिलिस रिसार्ट के मनीष मल्होत्रा द्वारा रू. 9.5 करोड़ की नागत से एग्रीकल्चर—ईको टूरिज्म, भीम सिंह द्वारा रू. 05 करोड़ की लागत से 500 मै.टन क्षमता के कोल्ड स्टोरेज, लेबो पॉवर सिस्टम प्रा.लि. के देवेश चौहान द्वारा रू. 05 करोड़ की लागत से लेड एसिट बैट्री मैन्यूफैक्चरिंग, श्री श्याम जी फ्लाईआस्क ब्रिक्स के अमर किशोर अग्रवाल द्वारा रू. 05—05 करोड़ लागत के विभिन्न प्रकार के बीज, पशु चारा व फ्लाईआस्क प्रोडक्ट्स हेतु 03 प्रोजेक्ट तथा रू. 04 करोड़ की लागत से सभी प्रकार की टीएमटी बार्स निर्माण के निवेश प्रस्ताव हेतु जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा निवेशकों को एमओयू प्रमाण—पत्र का वितरण किया गया। इसके अलावा निवेशक अजयकान्त यादव द्वारा रू. 02 करोड़ की लागत से 05 किलो जीटर क्षमता के दूध कलेक्शन तथा डेयरी स्वीट प्लान्ट, रेखा श्रीवास्तव द्वारा रू. 02—02 करोड़ की लागत से बीएमसी मिल्क वैन टैंकर तथा 10 टन क्षमता की राइस मिल हेतु 02 प्रोजेक्ट, राईट च्वाईस फिलिंग सेन्टर शाईता द्वारा रू. 02 करोड़ लागत से डीजल एण्ड पेट्रोल फिलिंग सेन्टर, अब्दुल मोईन द्वारा रू. 1.75 करोड़ की लागत से प्लाईवुड प्रेस प्लान्ट, रेशमा फिश फार्म की रेशमा द्वारा रू. 01 करोड़ की लागत गोट एण्ड फिश फार्मिंग, शाकिर अली अंसारी द्वारा रू. करोड़ की लागत से गोट फार्मिंग तथा धर्मेन्द्र कुमार सिंह व अतुल कुमार सिंह द्वारा रू. 01—01 करोड़ की लागत से गोट एवं पोल्ट्री फार्मिंग के निवेश प्रस्ताव इस प्रकार रू. 85.25 करोड़ लागत के 20 निवेश प्रस्ताव हेतु डीएम डॉ. चन्द्र द्वारा निवेशकों को एमओयू प्रमाण—पत्र का वितरण किया गया। बैठक के दौरान उप निदेशक कृषि टी. पी. शाही, उपायुक्त उद्योग वीरेन्द्र कुमार तथा जिला उद्यान अधिकारी पारसनाथ ने प्रदेश सरकार

नेत्र शिविर का आयोजन कर नेत्र मोबाइल एंबुलेंस का किया उद्घाटन

बहराइच। रुपईडीहा नगर पंचायत स्थित राहुल पार्टी पैलेस मे आज निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें श्री राधे लाल हरी नारायण चौरिटेबल ट्रस्ट बहराइच द्वारा नेत्र शिविर मोबाइल बैंक का उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे प्रांत प्रचारक अवध क्षेत्र कौशल द्वारा मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आरती के साथ शुरुआत की गई ।अवध प्रांत प्रचारक कौशल द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में चलाए जा रहे इस निशुल्क नेत्र शिविर की जानकारी देते हुए बताया कि संगठन द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं।जिसमें यह निशुल्क नेत्र शिविर भी मुख्य रूप से सम्मिलित है।इस नेत्र शिविर ट्रस्ट का आयोजन 5 वर्ष पहले किया गया था। इसी प्रकार कोरोना कॉल में पल्स ऑक्सीमीटर आदि प्रकार की सुविधाएं सहित अन्य सामाजिक कार्य संगठन द्वारा किए गए थे । यह नेत्र मोबाइल एंबुलेंस बॉर्डर के ग्रामीण क्षेत्र के लगभग सभी गांव में शिविर लगाकर एक गांव में तकरीबन 2 सौ पात्रों की आंखों की जांच कर निशुल्क दवा व चश्मा वितरण करेगी। जिससे उनकी आंखों को नवजीवन मिल सके इस वर्ष यह मेडिकल कैंप की यात्रा 2 सौ गांव तक जाएगीस मेडिकल कैंप के इंचार्ज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डॉक्टर सुदीप तिवारी के नेतृत्व में होगा।इस कार्यक्रम में नेपाल में चलाए जा रहे संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अरुण पाठक बाबूलाल जिला संचालक विभाग प्रचारक डॉक्टर अवधेश प्रांत प्रचारक अवध क्षेत्र कौशल ,अजय मिश्र, भीमसेन, जिला प्रचारक दीनानाथ भूपेंद्र जिला कार्यवाह प्रचारक स्वामीनाथ ब्लाक प्रमुख नवाबगंज जय प्रकाश सिंह, सांसद अक्षयवर लाल गोंड, जिलाध्यक्ष भाजपा श्यामकरण टेकड़ीवाल, जिलाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा जितेंद्र प्रताप सिंह जीतू,डॉ उमा शंकर वैश्य, रतन अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, इंजीनियर आर के सिंह, डॉ0 सनत कुमार शर्मा, सहित समाजसेवी व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

बच्चे देश का भविष्य हैं पढ़ेंगे भी और बढ़ेंगे भी : सीएमओ

कृमि मुक्तिके लिए बच्चों व किशोरों को खिलाई गयी एल्बेण्डाजोल

बहराइच। जिले में आज राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित कर एक से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोरों को उम्र के अनुसार एल्बेण्डाजोल दवा खिलाई गयीस कृमि यानि पेट के कीड़े निकालने वाली यह दवा स्कूलों में अध्यापक, मदरसों में मोलवी व आंगनवाड़ी केन्द्रों पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने सामने दवा खिलायी । इस दौरान उत्साहित बच्चों ने दवा खाकर इंडिया को थैंक्स कहा । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सतीश कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों व किशोरों के पेट में कृमि संक्रमण एक आम संक्रमण है । जो खुले में शौच, नंगे पैर चलने व गंदे हाथों से खाना खाने या फिर बिना ढका हुआ भोजन खाने तथा दूषित पानी पीने से होता है। यह कृमि यानि पेट के कीड़े आंत में रहते हैं और जीवित रहने के लिए शरीर के जरूरी पोषक तत्वों को खाते हैं। इसकी वजह से बच्चों में खून की कमी व कुपोषण के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कृमि मुक्ति की दवा एल्बेण्डाजोल खाने से यह कीड़े निकल जाते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चे देश का भविष्य होते हैंस सरकार बच्चों की शिक्षा के साथ उनके स्वास्थ्य पर भी ध्यान दे रही है । इससे बच्चे पढ़ेंगे भी और बढ़ेंगे भी । इस अवसर पर उत्साहित बच्चों ने कहा थैंक्स इंडियासउच्च प्राथमिक विद्यालय रामगांव में 53 बच्चों को उम्र के अनुसार पेट के कीड़े निकालने की दवा खिलायी गयी। प्रधानाध्यापक अंजुम सिराज ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के तहत आज स्कूल में उपस्थित सभी बच्चों ने दवा का सेवन कर लिया है।सइसके अलावा तेजवापुर के गोड़वा खास व खमरिया शुक्ल उच्च प्राथमिक विद्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित हेल्थ स्कूल मैसेंजर ने बच्चों को एल्बेण्डाजोल गोली की उपयोगिता बताते हुए बच्चों को जागरूक किया और उन्हें दवा खिलायी। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला सलाहकार राकेश गुप्ता ने बताया कि इस बार जनपद में 17,12420 बच्चों व किशोरों को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है ।उन्होने बताया जो बच्चे व किशोर आज दवा खाने से छूट गए हैं उन्हें 13 से 15 फरवरी तक मापअप राउंड के दौरान दवा खिलायी जाएगीस

शिक्षा के साथ—साथ बच्चों में सामान्य ज्ञान व सांस्कृतिक गतिविधि जरूरी: नीलम अग्रवाल

सीओ सिटी लक्ष्मीकांत ने प्रतियोगिता के सफल बच्चों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। गीता एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वाधान में गीता इंटरनेशनल स्कूल जयनगरा गोंडा में कलर विद स्ट्रोक ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के हाथों मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम जी एवं लाल बहादुर शास्त्री पीजी कॉलेज के प्रोफेसर राजीव अग्रवाल को स्मघति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता को तीन चरण में आयोजित किया गया। ग्रुप 'ए' ईट हेल्दी, स्टे हेल्दी में कष्णा श्रीवास्तव प्रथम, अविरल अग्रवाल द्वितीय एवं प्रियांशी सोनकर तघ्तीय स्थान पर रहे। द्वितीय ग्रुप स्टाप चाइल्ड लेबर में प्रथम कषिका सोनी प्रथम, तनिष्का श्रीवास्तव द्वितीय एवं रिशिका श्रीवास्तव तघ्तीय स्थान पर रहे इसके अलावा ग्रुप सी सोशल मीडिया, बून आर क्रश में स्वेता कुमारी प्रथम, आशुतोष शुक्ला द्वितीय एवं नेहा गुप्ता तघ्तीय स्थान पर रहे। सभी प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र—छात्राओं को 2100, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र—छात्राओं को 1100 एवं तघ्तीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र—छात्राओं को 500 का नगद पुरस्कार दिया गया। साथ ही 25 छात्र—छात्राओं को संतवन पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कार वितरित कर सीओ सिटी श्री लक्ष्मीकांत गौतम जी एवं लाल बहादुर शास्त्री पीजी कॉलेज के प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने अपनी उपस्थिती से बच्चों का मार्गदर्शन एवं होसला बढ़ाया। इस मौके पर विघालय के प्रबन्धक एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक रितेश अग्रवाल एवं प्रिंसिपल नीलम अग्रवाल ने आए हुए अतिथियों का आभार जताते हुए स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया है उन्होंने कहा कि अधिकारियों की उपस्थिति निश्चय ही बच्चों के हौसले को बुलंद करेगी

राममन्दिर को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्गों की प्रगति का डीएम ने लिया जायजा

—पब्लिक फैसिलिटी सेंट्रो के निर्माण में तेजी लाने का दिया निर्देश

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने देर शाम तक श्री राम जन्मभूमि मंदिर को जोड़ने वाले प्रमुख संपर्क मार्गो यथा रामपथ, जन्म भूमि पथ व भक्ति पथ के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। रामपथ पर पांच चौनजो पर पांच टीमों द्वारा यूटीलिटी डक्ट का कार्य प्रारंभ कर लिया गया है जिलाधिकारी ने मौके पर कार्य की प्रगति धीमी पाए जाने पर कार्यदायी संस्था को व ठेकेदार को इन पांच चौनजो सहित अन्य सभी चौनजो पर कार्य प्रारंभ करने व पर्याप्त मानव संसाधन एवं मशीनरी लगाकर कार्यों में तेजी से कार्य कराने तथा सभी चौनजो पर कम से कम दो शिफ्टों में कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मार्ग के किनारे दुकानदारोंधनिवासियों को डक्ट खुदाई के समय आवागमन की सुविधा व विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए उन्होंने वाटर पाइप लाइन में विद्युत तारों के खुदाई के दौरान टूटने पर तत्काल सही कराना सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए इस दौरान जिलाधिकारी ने राम पथ के दोनों तरफ बनाए जाने वाले 14—14 बस बे व पब्लिक फैसिलिटी सेंट्रो के निर्माण संबंधी कार्यों में भी तेजी लाने तथा चौड़ीकरण की जद में आने वाले भवनों के धवस्तीकरण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा आवागमन के सुचारु रखने हेतु मलवा भी तत्काल हटाते रहने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने जन्म भूमि पथ का निरीक्षण किया इस पथ में स्टॉर्म वॉटर ड्रेन का 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण है तथा संपूर्ण मार्ग का 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण है जिलाधिकारी ने इस मार्ग के विटुमिनस कार्य (7 मीटर चौड़ा) को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने भक्ति पथ पर भी 2 शिफ्टों में पथ के दोनों तरफ पर्याप्त टीमों को लगाकर तीव्र गति से कार्य कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उक्त मार्गों पर समस्त कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ करने तथा सभी पथों को निर्धारित समय (रामपथ दिसंबर 2023, भक्ति पथ अक्टूबर 2023 व जन्मभूमि पथ मार्च 2023 तक) के अंदर पूर्ण करने के दृष्टिगत प्रत्येक दिन का लक्ष्य निर्धारित कर उसी के अनुरूप निरंतर कार्यों की प्रगति रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण सीडी 3ध्4 सहित संबंधित सहायक अभियंतागण व कांट्रेक्टर के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के लिपिक पर भ्रष्टाचार का आरोप

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में वर्षों से पदासीन लिपिक "सुशील कुमार" पर भाजपा नेता डीपी सिंह ने लगाए गंभीर आरोप।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। भ्रष्टाचार,रिश्वत खोरी,अध्यापकों व कर्मचारियों से अभद्रतापूर्ण व्यवहार तथा मदरसा प्रबंधकों से सांठ गांठ करके मदरसा कर्मचारियों को भयभीत कर मानसिक उत्पीड़न करते हुए बीआरएस लेने पर विवश करने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा नेता ने प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल को ज्ञापन देकर लिपिक के असंवैधानिक कृत्यों की उच्चस्तरीय जांच और कार्यवाही की मांग की है। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस ने प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के लिपिक सुशील कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सुशील कुमार विगत कई वर्षों से एक ही विभाग के लिपिक पद पर कार्यरत है जिसके विरुद्ध भ्रष्टाचार, अनिमिकता,रिश्वत खोरी,उत्पीड़न और षड्यंत्रकारी कृत्यों की शिकायतों की लिस्ट लंबी होती का रही है। लिपिक का मनोबल इतना बढ़ गया है कि अब वह खुलेआम मदरसा शिक्षकों तथा कर्मचारियों से न सिर्फ डरा धमका कर रिश्वत के रूप में मोटी रकम लेता है बल्कि शिक्षकोंऔर कर्मचारियों का मानसिक उत्पीड़न करते हुए उनके घर अभद्रतापूर्ण व्यवहार करके सामाजिक रूप से उन्हें अपमानित भी करता है। ज्ञापन के द्वारा भाजपा नेता डीपी सिंह ने लिपिक पर यह भी आरोप लगाया कि सुशील कुमार व्यक्तिगत लाभ के रूप जहां धन उगाही करता है वहीं उसने अपने असंवैधानिक कृत्यों की सीमा लांघ मदरसा के भ्रष्ट प्रबंधकों जो कि मदरसा शिक्षा माफिया के रूप में बदनाम हैं के साथ सांठ गांठ करके सुनियोजित षड़यंत्र के तहत कूटरचित,फर्जी शिकायती तथा कार्यवाही अभिलेखों के द्वारा मदरसा अध्यापकों कर्मचारियों को जांच के नाम पर कार्यालय बुला कर डरा धमका के कार्यवाही से बचाने के नाम पर रिश्वत के रूप में धन उगाही करता है। प्रभारी मंत्री को दिए गए अपने ज्ञापन में भाजपा नेता डीपी सिंह ने कहा कि सुशील कुमार के विरुद्ध मिल रही शिकायतों के अनुसार लिपिक अपने पद का दुर्पयोग कर मदरसा शिक्षकों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य परीक्षण के नाम पर नौकरी निस्काशित किए जाने का भय दिखा कर प्रबंधकों से दबाव डलवा कर उन्हें इतना भयभीत करता है कि अध्यापक व कर्मचारी डर के कारण रिटायर्ड होने से पूर्व ही बीआरएस लेने पर विवश हो जाते हैं। आरोपों की माने तो लिपिक के डर और प्रबंधकों के दबाव में मजबूरी वश बड़ी संख्या में मदरसा शिक्षक एंव कर्मचारी बीआरएस ले चुके हैं। बीआरएस लेने के कारण मदरसों में खाली पदों पर मदरसा प्रबंधक विभाग के लिपिक सुशील कुमार के साथ मिल कर मदरसा बोर्ड के दिशा निर्देशों नियमों के विरुद्ध कागजी खाना पूरी करके एक मोटी रकम रिश्वत के रूप में हासिल कर नई नियुक्ति करते हैं और इस भ्रष्टाचार्य में मदरसा प्रबंधकों के साथ ही उपरोक्त कार्यालय का लिपिक मोटी रकम आपस में बांटते हैं। अपने ज्ञापन के द्वारा भाजपा नेता डीपी सिंह ने प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल को बताया कि लिपिक सुशील कुमार की अनियमिकताओं,भ्रष्टाचार, दुर्व्यवहार,रिश्वत खोरी से संबंधित शिकायतें की गई है परंतु कार्यवाही शून्य होने के कारण लिपिक का मनोबल बढ़ता जा रहा है। अंत में भाजपा नेता ने लिपिक सुशील कुमार के कृत्यों की उच्चस्तरीय जांच,बीआरएस लेने वाले अध्यापकों कर्मचारियों के प्रकरण की भी स्वतंत्र जांच के साथ ही तत्काल लिपिक को जिला अल्पसंख्यक कार्यालय विभाग से स्थांतरित कर सख्त कार्यवाही करने की मांग प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल से की है। अब देखने वाली बात यह है कि अपनी ही सरकार में क्या अपने आरोपों की निष्पक्ष जांच और आरोपी लिपिक के विरुद्ध कार्यवाही कराने में भाजपा के मीडिया प्रभारी को सफलता मिलती है या सिर्फ प्रकरण ज्ञापन तक ही रह कर ठंडे बस्ते में चला जाता है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बस्ती

पत्रांक–587/04 ई0 निविदा–बस्ती वृत्त/2023 **दिनाक– 03/02/2023**

निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में सेतु कार्य हेतु ''ए'' ''बी'' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई–टेंण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गए कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है–

क0 स0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थनगर	**जनपद सिद्धार्थनगर बनोहिया खुर्द से भरवटिया के बीच स्टेट नाले पर 3 गुणे 6 मी0 स्पान की आर0सी0सी0 पुलिया का निर्माण कार्य।**	164.00	10.20	**निविदा मूल्य + स्टेशनरी + जी0 एस0 टी0 2000.00 +300 +414.00 =2714.00**	**12 माह**

1. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता यूपी e-tender online account goverment के internet banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।
2. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता यूपी e-tender online account goverment के internet banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 16.02.2023 से दिनांक 02.03.2023 तक उपलब्ध रहेगी। जो दिनांक 02.03.2023 को समय दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं इसकी तकनीकी बिड दिनांक 03.03.2023 को 2.00 बजे खोली जाएगी।

निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी भी डॉक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है निविदा से संबंधित अधिक जानकारी ई टेंडर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर पर उपलब्ध है।

(बी0के0राय)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड,लो0नि0वि0,
बांसी,सिद्धार्थनगर।

(राजेश कुमार)
अधीक्षण अभियंता
बस्ती वृत्त,लो0नि0वि0
बस्ती

www.upgov.nic.in
upid-r.o.185663
date : 11-02-2023

सांसद ने किया मंडल कार्यसमिति एवं कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

चिल्हिया,सिद्धार्थनगर। रविवार को चिल्हिया मंडल में मंडल अध्यक्ष रमेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में मंडल कार्यसमिति एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसके मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल रहे बैठक में सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की गई साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए सोशल मीडिया एवं आईटी के क्षेत्र में कार्यशाला के माध्यम से कार्यकर्ताओं को जागरूक किया गया सांसद के द्वारा बजट के विशेषताओं को कार्यकर्ताओं के बीच कहा गया जिसमें सांसद ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र व बुनियादी ढांचे से जुड़े निवेशकों पर हमारी सरकार हर क्षेत्र को ध्यान मे रखते हुए 33: की वृद्धि के साथ ही साथ रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ का आवंटन देश में नए रोजगार को पैदा करने में एक साहसिक कदम है केंद्र सरकार ने बजट 2023 में पीएम आवास योजना को 66:बढ़ा दिया है अब 79000 करोड रुपए कर दिया है गरीबों के आवास के लिए सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया कि सबको घर मिल सके साथ ही साथ आदिवासियों के लिए 15000 करोड़ों रुपए विश्वकर्मा कौशल योजना के अंतर्गत जोड़ा गया की गरीब से गरीब गरीब परिवार भी आवाज से वंचित न रह सके इसी तरह पीएम सम्मान निधि के लिए 60 हजार करोड़ रुपए और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 600हजार करोड़ तथा इज्जत घर के लिए 11हजार 500 करोड़ रुपए ताकि सभी के घरों में इज्जत घर बन सके तथा शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने 1.12 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने की योजना बनाई है इस प्रकार विस्तृत रूप से सांसद जी के द्वारा बजट के बारे में लोगों को बताया गया ताकि कार्यकर्ता हर बूथ पर लोगों को बजट के बारे में समझा सके इस अवसर पर निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राम शंकर यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य राघवेंद्र मिश्रा आईटी सेल के संयोजक शिवाकांत त्रिपाठी महामंत्री पद्माकर शुक्ला सहित मंडल में निवास करने वाले सभी पदाधिकारी गण एवं सभी कार्य समिति के सदस्य गण मौजूद रहे।

गांव को नेशनल हाईवे से जोड़ने का कार्य डबल इंजन की सरकार कर रही:सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। रविवार को डुमरियागंज लोकसभा के शोहरतगढ़ विधानसभा में कापियां चौराहे पर सांसद जगदंबिका पाल ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत कापियां चौराहे से कोड़रा ग्रांट तक लंबाई लगभग 6 किलोमीटर सड़क का लोकार्पण किया तथा ग्रामीणों के विकास के लिए हर गांव को नेशनल हाईवे से जोड़ने का कार्य हमारी डबल इंजन की सरकार कर रही है ताकि हम अपने गांव से निकलकर बड़े शहरों में जा सके ताकि लोगों को शिक्षा और रोजगार गांव में भी मिल सके उक्त बातें सांसद जी ने सड़क के लोकार्पण के समय जनता के बीच में कहीं कि हमारी सरकार हर गांव को हाईवे से जोड़ रही है तथा हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों ने रोजगार को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं भी चला रही हैं इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रमेश त्रिपाठी महामंत्री पद्माकर शुक्ला कोषाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पांडे राम प्रकाश मिश्रा राघवेंद्र मिश्रा हरीश चंद्र गुप्ता अनिल अग्रहरी ग्राम प्रधान तथा भारी संख्या में क्षेत्रवासी गण मौजूद रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय लोक कल्याण संस्था का वेब साइट लांच किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। तहसील प्रांगण में आयोजित अमृतकाल बजट संगोष्ठी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पुण्यतिथि पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय लोक कल्याण संस्था के अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी युवराज की अगुवाई में संस्था के सलाहकार व मुख्य अतिथि राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय लोक कल्याण संस्था का वेब साइट लांच किया गया तथा भाजपा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पुण्यतिथि पर समर्पण कार्यक्रम में राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने 11000 रुपए का पार्टी फंड में समर्पण किया।

महादेवा राय चौराहे पर धूमधाम से निकली कलश यात्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार। क्षेत्र के महादेवा राय चौराहे पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर झारखंडी महादेव पर रविवार को सात दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ का शुभारंभ हुआ है। इस अवसर पर मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली गई जो कि महादेवा, बरदहा होते हुए कूड़ा नदी पर पहुची। यहाँ वैदिक मंत्रोच्चार से कलश में ज्क भरा गया फिर सभी श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुँचे। आयोजक मण्डल के सुरेंद्र पाण्डेय ने बताया कि यज्ञ का शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुआ है। इस अवसर पर दिन में दो बजे से रासलीला व रात्रि आठ बजे से रामलीला का भी आयोजन होगा। महाशिवरात्रि के दिन हवन एवं भंडारे का साथ यज्ञ का समापन होगा।

भाजपा ने अमृतकाल बजट गोष्ठी का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज विधानसभा अंर्तगत डुमरियागंज ब्लॉक परिसर में भाजपा द्वारा अमृतलाल बजट गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित वक्ताओं ने अमृत काल 2022– 23 के बजट पर उपस्थित जनसमूह को बजट के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट बहुआयामी और समाज के हर वर्ग के विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया है। बजट में समाज के हर वर्ग के लोगों को लाभ देने के लिए सभी प्रकार की योजनाओं को समावेषित किया गया है। कृषि क्षेत्र में नई तकनीक के प्रयोग के लिए हरित विकास योजना एवं कृषि को अन्न हब बनाने के एलान किया गया है। मोदी सरकार के आम बजट को मध्यम वर्ग सहित सर्व समाज के हितों से जुड़ा प्रभावी बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में आयकर सीमा बढ़ोतरी, महिला कल्याण बचत योजना सहित सभी नागरिकों के हितों को बजट में शामिल किया गया है। आने वाले समय में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जल्द ही भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। गोष्ठी में डॉ दशरथ चौधरी, नरेंद्र मणि त्रिपाठी, अजय पाण्डेय, लवकुश ओझा, मधुसूदन अग्रहरि, गौरव मिश्रा आदि ने केंद्र सरकार के बजट पर विस्तार से चर्चाकर उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी जिसका सभी ने समर्थन किया। कार्यक्रम का संचालन नीरा दुबे ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें मण्डल अध्यक्ष अमरेंद्र त्रिपाठी ने अंत में कार्यक्रम में आए हुए सभी सम्मानितजनों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया। इस दौरान विनय पाठक, उदय शंकर श्रीवास्तव, रमेशधर द्विवेदी, अशोक अग्रहरि, रमेश सोनी, राजीव अग्रहरि, शत्रुहन सोनी, विनोद श्रीवास्तव, दिलीप पाण्डेय छोटू, लालजी शुक्ला, मौलेश्वर नाथ पाण्डेय, संतोष पासवान, धर्मराज वर्मा, दीपक चौधरी, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विजय पाण्डेय, बब्लू पाण्डेय, अजय अग्रहरि, बच्चाराम पासवान, मनोज निषाद, शैलेश सिंह, हरीश पाण्डेय, राजेश साहू, राजू कन्नौजिया, अर्जुन विश्वकर्मा आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्तागण व आमजनमानस उपस्थित रहें।

हिन्दू समरसता एवं खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी ।खिचड़ी सहभोज के आयोजन से सामाजिक सदभाव व समरसता में वृद्धि होती है ।इससे सामाजिक एकता को भी मजबूती मिलती है ।उक्त बातें पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने डिंडई चौराहे पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेश धर द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित हिन्दू समरसता एवं खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा ।श्री सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज के सभी जाति, धर्म, पंथ और वर्ग के लोगों को एकजुट रखने में सहायक होते है, जो एक उन्नत एवं सशक्त राष्ट्र के लिए जरूरी है। इस दौरान उन्होंने सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की याद भी दिलाई! कार्यक्रम में ब्लॉक् प्रमुख प्रतिनिधि डा0 दशरथ चौधरी, लवकुश ओझा, जिला पंचायत प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष नीरज मणि, डा0 संजय गौतम,राम आसरे गुप्ता, मनीष शुक्ला, श्याम पाठक, विष्णु गिरि, राममिलन चौधरी, अजय वर्मा, सोनू सिंह, राजेश कुमार सिंह, शशि सिंह, अरुण सिंह,गिरीश भट्ट, श्रीराम चौधरी, जितेंदर तिवारी मौलेश्वर बाबा आदि सहित बडी संख्या में क्षेत्र के अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे!कार्यक्रम के भव्यता की प्रशंसा करते हुए विधायक श्री सिंह ने कार्यक्रम सम्पन्न कराने में सहायक सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रीविष्णु महायज्ञ का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार।क्षेत्र के महादेवा राय चौराहे पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर झारखंडी महादेव पर रविवार से सात दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ का शुभारंभ है।

आयोजक मण्डल के सुरेंद्र पाण्डेय ने बताया कि यज्ञ का शुरुआत कलश यात्रा के साथ होगा। इस अवसर पर दिन में दो बजे से रासलीला व रात्रि आठ बजे से रामलीला का भी आयोजन होगा। महाशिवरात्रि के दिन हवन एवं भंडारे का साथ यज्ञ का समापन होगा।

महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए शिक्षा मित्रों ने भरी हुंकार

जब तक नियमित नहीं हो जाते शिक्षा मित्र जारी रहेगा संघर्ष– अजीमुद्दीन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज। डुमरियागंज स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में एक बैठक का आयोजन आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में रविवार को आयोजित किया गया। बैठक में आगामी 20 फरवरी को लखनऊ स्थित रमाबाई अंबेडकर पार्क में आयोजित विशाल शिक्षामित्र महासम्मेलन को सफल बनाने की अपील की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि शिक्षामित्रों के हित को लेकर यह सम्मेलन आयोजित किया गया है ।इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष अजीमुद्दीन खान ने कहा कि लखनऊ में 20 फरवरी को आयोजित महा सम्मेलन में बड़ी संख्या में पूरे प्रदेश से शिक्षामित्र पहुंचेंगे। इस सम्मेलन में शिक्षामित्रों को नियमित किए जाने की मांग की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने शिक्षा मित्रों के हित में कोई ठोस काम नहीं किया। जिसके वजह से शिक्षामित्र आज परेशान व बेहाल है। जब तक शिक्षामित्रों को नियमित नही किया जाता है तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक महामंत्री दीपनारायण ने कहा कि डुमरियागंज विकासखंड में कुल 282 शिक्षामित्र कार्यरत है सभी शिक्षामित्र महासमर महा सम्मेलन में पहुंचेंगे जिसके लिए बस की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मेलन शिक्षामित्रों की नयी दिशा व दशा तय करेगा। इस मौके पर राधे रमण, जगदीश प्रसाद मौर्या, दिनेश पांडे ,अंबिका प्रसाद, राकेश यादव, उबैदुल्लाह, जगतराम, प्रेम, अश्वनी, राजेंदर, अनवर, लता चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, प्रीति, मीरा, पूनम, रश्मि मिश्रा, अब्दुल हादी, अब्दुल खालिक, सेतु, विजय आदि लोग मौजूद रहे ।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से ट्रक ड्राइवर झुलशा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी। पथरा बाजार क्षेत्र के मिठवल बाजार में हाई टेंशन तार की चपेट में आने से गिट्टी गिरा रहे ट्रक का ड्राइवर झुलश गया मौके पर पहुंचे लोगों ने इलाज के लिए प्रास्वा केन्द्र भेजा। घटना रविवार लगभग ग्यारह बजे पूर्वाह्न की है ।जानकारी के अनुसार कोतवाली बांसी क्षेत्र के बांसी डुमरियागंज मुख्य मार्ग के मिठवल बाजार से फुलवापुर जाने वाली सड़क का पुनर्निर्माण किए जाने हेतु यू पी 51ए टी 3745ट्रक से गिट्टी गिराई जा रही थी ।जब ट्रक ड्राइवर जन पद बस्ती के देवराव घाट निवासी 35वर्षीय रामपाल पुत्र कोदई जायसवाल आगे बढ़ाने के लिए ट्क को पकड़ ही रहा था कि ढीला हाईटेंशन तार हवा के झोंके से ट्क में छू गया और रामपाल गंभीर रूप से झुलश गया ।मौके पर मौजूद दूसरे स्टाफ की मदद से इलाज के लिए प्रास्वा केन्द्र बांसी लेकर गये जहां समाचार भेजे जाने तक इलाज चल रहा था। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सिंह मय फोर्स के घटना स्थल पर पहुंच कर जांच शुरू कर दिया था। जो 11000केवी का हाईटेंशन तार सड़क से गुजर रहा है और जो खम्भे पर काफी ढीला और सड़क से सटकर जाता है तथा हमेशा घटना होने का अंदेशा बना रहता है ।तार को ऊंचा और ठीक किए जाने के लिए लगभग चार महीने से अधिक समय पूर्व ही ग्रामीणों ने अवर अभियंता विद्युत उपकेंद्र पथरा बाजार को संबोधित प्रार्थना पत्र दिया था। किन्तु विभाग ने उस प्रार्थना पत्र पर कोई कार्रवाई को कौन कहे विभाग के कान पर जूं तक नहीं रेंगा। और जिस लापरवाही के चलते रविवार को उक्त हादसा हो गया। हालांकि समाचार भेजे जाने तक विद्युत विभाग का कोई कर्मी घटना स्थल पर नहीं पहुंचा था।

सम्पादकीय

अब वह पलायनवादी नहीं रहे। बेशक राहुल की छवि का विस्तार हुआ है, उसमें काफी सुधार हुआ है। यह भी सुखद संकेत है कि जहां से यात्रा गुजरती रही, वहां कांग्रेस का काडर सक्रिय दिखाई दिया। यानी कांग्रेस का संगठन अब भी जिंदा है, बेशक सुप्तावस्था में चला गया था। कांग्रेस अपने काडर को कितना जोड़ कर, सक्रिय ...

भारत जोड़ो यात्रा का फल

राहुल गांधी और कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा समाप्त हुई। यात्रा 4000 किलोमीटर से अधिक रही। यदि जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष चंद्रशेखर की पदयात्रा को अतीत मान लिया जाए, तो इतना पैदल सफर किसी अन्य राजनीतिज्ञ ने तय नहीं किया। इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी की मानसिक दृढ़ता और इच्छा–शक्ति को जाता है। उन्होंने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर तिरंगा फहराया। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान भी गाया। अंततरू भारतीयता सम्मानित हुई। श्रीनगर में एकदम शांति और सद्भाव का माहौल लगा। कोई पत्थरबाजी नहीं की गई। हुर्रियत का 1 अलगाववाद समाप्त किया जा चुका था। आतंकवाद को भी कुचला जा रहा है। चारों ओर तिरंगा लहरा रहा था। पाकिस्तान का झंडा नदारद रहा। भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने जब 26 जनवरी, 1992 को लाल चौक पर तिरंगा फहराया था, तो चारों ओर बम, बारूद और बंदूकें ही थीं। अब माहौल पूरी तरह बदला है, राहुल गांधी को यह यथार्थ स्वीकार करना चाहिए और अनुच्छेद 370 पर विवादित बयान देने से बचना चाहिए। भारत की संसद ने यह निर्णय लिया था कि 370 को खारिज किया जाए। राहुल ने बार–बार यह उल्लेख किया है। कि भारत मुहब्बत और भाईचारे का देश है. लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस पर हिंसा और नफरत के लगातार आरोप भी मढ़े हैं। राहुल ने यह भी कबूल किया है कि यात्रा के दौरान उन्हें नफरत और हिंसा कहीं नहीं दिखाई दिए। इससे बड़ा यात्रा का विरोधाभास और क्या हो सकता है? उनकी यह टिप्पणी बिल्कुल गैर–जिम्मेदाराना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिंसा कराई। राहुल ने यह टिप्पणी कश्मीर में एक सार्वजनिक मंच से की, जिसका दुरुपयोग पाकिस्तान कर सकता है। सवाल है कि किन साक्ष्यों के आधार पर देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ राहुल गांधी इस निष्कर्ष तक पहुंचे? किस अदालत में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपराधिक केस विचाराधीन है या कौन जांच कर रहा है? प्रधानमंत्री भी सामान्य कानून की परिधि में आते हैं। दरअसल यह राहुल की और कांग्रेस की मानसिक, पूर्वाग्रही धारणा हो सकती है। यदि राहुल कांग्रेस के शासन काल का इतिहास पढ़ें, तो परत दर परत सच सामने खुल जाएगा कि उस दौर में कितने दंगे हुए? कितने भारतीय मार दिए गए? कितना उग्र और व्यापक आतंकवाद था? सिर्फ भाजपा–संघ को कोस कर और खोखले आरोप मढ़ कर राहुल और कांग्रेस, किसी भी स्तर पर, देश को जोड़ नहीं सकते। पाखंड या दावे जरूर किए जा सकते हैं। बेशक इस तथ्य को स्वीकार न किया जाए, लेकिन यह राहुल गांधी के राजनीतिक ब्रांड की यात्रा थी। यह प्रभाव पैदा करने में राहुल और कांग्रेस सफल रहे हैं कि राजनीतिक तौर पर वह परिपक्व हो रहे हैं। अब वह पलायनवादी नहीं रहे। बेशक राहुल की छवि का विस्तार हुआ है, उसमें काफी सुधार हुआ है। यह भी सुखद संकेत है कि जहां से यात्रा गुजरती रही, वहां कांग्रेस का काडर सक्रिय दिखाई दिया। यानी कांग्रेस का संगठन अब भी जिंदा है, बेशक सुप्तावस्था में चला गया था। कांग्रेस अपने काडर को कितना जोड़ कर, सक्रिय और जिंध्दा रख पाती है, यह देखना अभी शेष है। लेकिन यात्रा के दौरान मिला चौतरफा समर्थन चुनावी जनादेश में परिणत होगा या नहीं, लोकसभा में सांसदों का आंकड़ा क्या होगा और 10 से अधिक राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहेगा, ये यथार्थ अभी सामने आने हैं ।

हिंदू एकीकरण के पुरस्कर्ता थे गोस्वामी तुलसीदास

विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोस्वामी तुलसीदास पर श्री हनुमान जी महाराज की बहुत बड़ी कृपा थी।

उन्हें पत्नी रत्नावली से प्रेरणा मिली थी कि वे भगवान श्री राम की आराधना करें। इस प्रेरणा के बाद सबसे पहले तुलसीदास जी प्रयागराज पहुंचे। वहां उन्होंने लेटे हुए बड़े हनुमान जी की आराधना का दर्शन किया। अनुमान के मुताबिक यहीं पर रामबोला ने महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण का गहन अध्ययन करते हुए प्रभु श्रीराम की आराधना की होगी। गौरतलब है कि गोस्वामी तुलसीदास जी संस्कृत भाषा के भी प्रकांड ज्ञानी थे। किंतु भगवान शिव की प्रेरणा से गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम कथा को लोक भाषा अवधी में पांग कर उसे जन जन में व्याप्त किया। आज भी उनका श्रीरामचरित मानस सामाजिक एकत्रीकरण का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है। मोहल्ले में प्रत्येक सप्ताह मानस के पाठ का प्रसाद प्रायः सभी लोग ग्रहण करते हैं। लोक में व्याप्त राम कथा का व्यास एक ऐसे सामाजिक वृत्त की अवधारणा को रुपायित करता है जिसमें समाज के वंचित, शोषित और उत्पीड़ित समाज के सभी वर्गों के लोग भगवान राजा राम के नेतृत्व में रावणी सत्ता का विनाश करते हैं। आप देखते हैं कि रावण सामंती ताकतों का केंद्र बिंदु है जबकि श्रीराम मध्यवर्गीय किसानों की एकजुटता को प्रदर्शित करने वाले महानायक हैं। दरअसल भगवान श्रीराम के माध्यम से तुलसीदास किसानों के बीच आपसी फुटमत और दुराव को दूर करने की कोशिश कर रहे थे। सामाजिक एकीकरण के मार्ग को प्रशस्त करने वाला इतना बड़ा कवि विश्व साहित्य में दुर्लभ है। इस तरह गोस्वामी तुलसीदास हिंदू एकीकरण के पुरस्कर्ता थे। वर्तमान में भी सुबह उठिए तो गली टोले और मोहल्ले में श्रीरामचरित मानस का पाठ होता रहता हैय जिससे हम एकता के पाठ के साथ सामाजिक लोकाचार को भी सीखते हैं।

बिहारः आतंकवाद का खतरा

बिहार के मुख्यमंत्री की ओर से एक बयान नहीं आया जिसमें कहा जाए कि वे सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और इससे खिलवाड़ करने वालों और लोगों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। 2005–10 के बीच नीतीश को सुशासन बाबू का विशेषण प्राप्त हुआ था। उस दौर की विशेषता थी कि बिहार अपराध और कुशासन के दौर से निकल कर सुरक्षित और कानून के...

अवधेश कुमार

हिंडनबर्ग हंगामे के बीच बिहार से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के संदिग्धों की गिरफ्तारी सुर्खियां नहीं बन पाई।

हालांकि भारत की आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से यह महत्त्वपूर्ण घटना है। जैसी कि जानकारी है, बिहार के पूर्वी चंपारण यानी मोतिहारी जिले के कई स्थानों से छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। मामला कितना गंभीर होगा इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बिहार पुलिस की कार्रवाई के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) तो लगी थी ही, उत्तर प्रदेश पुलिस का आतंकवादी निरोधी दस्ता या एटीएस तथा इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी भी वहां पहुंचे। पकड़ा गया एक संदिग्ध रियाज मारूफ पहले से ही सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर था क्योंकि पिछले वर्ष पीएफआई के बिहार में सबसे खतरनाक मॉड्यूल, जिसे फुलवारी शरीफ–पटना मॉड्यूल कहा जाता है, में भी इसका नाम आया था। बिहार और देश की राजनीति में इस समय एक पक्ष सुरक्षा एजेंसियों की हर कार्रवाई पर संदेह की उंगली उठाता है, और इस मामले में भी ऐसा ही है। किंतु इस आधार पर हम पीएफआई जैसे कट्टरपंथी संगठनों के खतरे का मूल्यांकन नहीं कर सकते। यूपीए सरकार के समय एनआईए के आतंकवाद संबंधी दस्तावेज देखें तो आपको बिहार मॉड्यूल नामक शब्द मिलेगा। चाहे 2006 का मुंबई के उपनगरीय रेलवे का विस्फोट हो या वाराणसी के संकट मोचन मंदिर पर आतंकी हमला या उसके बाद दिल्ली में विस्फोट। ऐसी अनेक घटनाएं थीं जिनमें बिहार से जुड़े आतंकी सीधे तौर पर शामिल थे। दरभंगा से लेकर किशनगंज एवं पटना से जुड़े फुलवारी शरीफ के निवासियों की दूसरे राज्यों से गिरफ्तारियां हुई। यहां तक कि खूंखार आतंकी यासीन भटकल की शरणस्थली भी बिहार और उससे लगा नेपाल ही साबित हुआ। दुर्भाग्य से देश की स्मृति बहुत कमजोर है। कोई घटना होती है तो हम छाती पीटते हैं, मीडिया, सोशल मीडिया पर कुछ समय अभियान चलता है, राजनीतिक नेताओं के वक्तव्य आते हैं, और फिर धीरे–धीरे सब शांत। जिन लोगों को पिछले वर्ष पीएफआई के पटना– फुलवारी शरीफ मॉड्यूल के सामने आने से हैरत हुई, उनको आतंकवाद के संदर्भ में बिहार की पृष्ठभूमि का ध्यान नहीं था। ऐसा होता तो कतई हैरत व्यक्त नहीं करते। हालांकि इससे बड़ी त्रासदी कुछ नहीं हो सकती कि पीएफआई मॉड्यूल के सामने आने के बावजूद देश ने बिहार को आतंकवाद के प्रमुख रडार पर मानने का व्यवहार नहीं दिखाया। आज भी बिहार की राजनीति में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो मानते हैं कि पुलिस और एनआईए ने तिल का ताड़ बनाया। साफ हो गया है कि पीएफआई मॉड्यूल में अपना एक लक्ष्य बनाया था। उसमें आजादी के 100 वर्ष पूरा होने पर भारत को इस्लामिक राज में परिणत करना सर्वप्रमुख था। गजवा ए हिंद शब्द के उसके दस्तावेज में इसका सीधा उल्लेख था। इसके लिए वे जगह–जगह ट्रेनिंग भी दे रहे थे। उनकी योजना में दलितों और पिछड़ों को अंबेडकर के नाम पर भ्रमित करना भी शामिल था। बावजूद सच देखते हुए बिहार के राजनेता और बुद्धिजीवियों का बड़ा तबका इसे खतरा मानने को तैयार नहीं तो उस पर किस प्रकार की टिप्पणी की जा सकती है। यह आत्मघाती व्यवहार है। बिहार की मौजूदा सरकार एवं संपूर्ण राजनीतिक प्रतिष्ठान को स्वीकार करना चाहिए कि उनका प्रदेश आतंकियों का केंद्र बन चुका है। राजनीतिक नेतृत्व की सोच के अनुसार ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां कार्रवाइयों की दिशा निर्धारित करती हैं। उनके जिम्मे सुरक्षा है, इसलिए राजनीतिक नेतृत्व की विचारधारा से परे भी कई बार कार्रवाइयां होती हैं। पर इनमें उस प्रकार की प्रखरता और तत्परता नहीं होती जैसी होनी चाहिए। वर्तमान बिहार ऐसी परिस्थिति से गुजर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा भाजपा का साथ छोड़ राजद से हाथ मिलाने के बाद की तस्वीर किसी तरह सामान्य नहीं मानी जा सकती। स्वयं जनता दल के अंदर ही अंतर्कलह का विस्फोट हो चुका है। बिहार की बहुसंख्या मानती है कि नीतीश के इस कदम के पीछे किसी तरह की नैतिक, व्यावहारिक या तार्किक सोच नहीं है। नीतीश अभी तक अपने ही साथियों को समझाने में सफल नहीं हैं कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया। इस कारण जनता दल के अंदर प्रकट–अप्रकट तीव्र हलचल है। अनेक नेता, जो बोलते नहीं, मानते हैं कि नीतीश के इस कदम से उनकी पार्टी की मृत्युगाथा लिख दी गई है। इस कारण उनका ध्यान बिहार की ज्वलंत समस्याओं से ज्यादा अपने राजनीतिक हितों की सुरक्षा और भविष्य की राजनीति पर ज्यादा है। उपेंद्र कुशवाहा का वर्तमान व्यवहार इसका उदाहरण मात्र है। दूसरी ओर राजद के अंदर भी यही भाव है कि नीतीश आज जरूर आए हैं, लेकिन इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता। संभव है ये भाजपा का विरोध करते–करते फिर उस ओर जाने की कोशिश करें। एक दूसरे के प्रति सत्तारूढ़ खेमे में अविश्वास और आशंकाओं के बीच सरकार और प्रशासन सुचारू रूप से नहीं चल सकता। यह स्थिति निश्चय ही चिंता का विषय है। कायदे से अभी तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार में जिहादी आतंकवाद को लेकर बैठकर आयोजित करनी चाहिए थी। आखिर, पिछले वर्ष अग्निवीर योजना के विरुद्ध सबसे ज्यादा हिंसा बिहार में हुई थी। लग रहा था कि कुछ प्रशिक्षित, प्रोफेशनल विरोध के नाम पर उपद्रव और अग्निकांड में शामिल थे। बिहार के मुख्यमंत्री की ओर से एक बयान नहीं आया जिसमें कहा जाए कि वे सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और इससे खिलवाड़ करने वालों और लोगों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। 2005–10 के बीच नीतीश को सुशासन बाबू का विशेषण प्राप्त हुआ था।

दोनों सदनों के सांसद धन्यवाद प्रस्ताव में संशोधन की मांग भी कर सकते हैं। ये संशोधन उन विषयों के बारे में दिए जाते हैं, जिनका उल्लेख राष्ट्रपति के अभिभाषण में किया गया हो, या फिर ऐसे विषयों पर भी दे सकते हैं जिनका जिक्र अभिभाषण में किया जाना चाहिए था। ऐसा कई बार हुआ भी है। उदाहरण स्वरूप 1980, 1989, 2001, 2015, 2016 में ऐसे संशोधन किये गये थे। किंतु, दोनों सदनों ...

धन्यवाद प्रस्ताव के बहाने

पुष्परंजन

आप नाम बदल रहे हो, संसद की अधोसंरचना बदल रहे हो, तो उस परंपरा को क्यों नहीं बदलते, जो ब्रिटिश गुलामी की प्रतीक है? संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण, और धन्यवाद प्रस्ताव की शुरूआत हुई कहां से? नेहरू की गलतियों को दुरूस्त करना यदि आपका राजनीतिक अजेंडा है, तो इसे भी सही कीजिए। गुरूवार को संसद में धन्यवाद प्रस्ताव के नाम पर जब संग्राम छिड़ा हुआ था, तब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कहां थीं? उस समय वह गुरूग्राम के भौंराकलां स्थित प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओआरसी) में परिवार सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ कर रही थीं। भाषण का जो बड़ा हिस्सा राष्ट्रपति ने बिना पढ़े दिया, वह वाकई इस देश में सरकार और समाज के लिए चिंतन का विषय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, श्परमात्मा ने हमें दो रास्ते दिये हैं। एक है काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, द्वेष, ईर्ष्या और न+फरत का, और दूसरा है सुख, शांति, आनंद, प्रेम और पवित्रता का। अब हमें यह तय करना है कि हम किस रास्ते को चुनना चाहते हैं।श क्या राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह दिव्य ज्ञान केवल श्ओआरसीश के सभागार में उपस्थित अतिथियों को दे रही थीं, या फिर क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और नफरत के समवेत भाव से ग्रस्त देश के प्रधानमंत्री को संदेश दे रही थीं? देश का प्रधानमंत्री गुस्से से प्रकम्पित होकर प्रतिपक्ष पर हमलावर हो, और ऐसे सवाल करे जिसका नाता धन्यवाद प्रस्ताव से न हो, तो वाकई चिंता का विषय है। राहुल गांधी का नाम लिये बगैर यह सवाल करना कि नेहरू टाइटिल अपने नाम के आगे क्यों नहीं लगाया? इसका कोई संदर्भ राष्ट्रपति के पूरे अभिभाषण में नहीं था। पीएम मोदी यही प्रश्न अपनी ही पार्टी के सांसद वरूण गांधी से क्यों नहीं पूछते? 31 जनवरी 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया था। उसपर धन्यवाद देने में पूरे दस दिन लग गये। गुस्से में कोई संसदीय मर्यादा भूल जाए, तो सदन चला रहे स्पीकर का कर्तव्य होता है कि उसके आपत्तिजनक बयान को रिकार्ड से हटा दे। मगर, हो उलटा रहा है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान क्या एक्सपंज करने लायक था? द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद भर देना है, तो संसद में महाभारत छेड़ बैठे। द्वापर में भरी सभा में द्रौपदी का अपमान हुआ था, आज के भारत में भी यही हो रहा है। वर्ष 2017 में संसद की कार्यवाही के हर मिनट की कधीमत थी, ढाई लाख रूपये। अब उसे डबल मानिये। पांच लाख प्रति मिनट के हिसाब से जोड़ लीजिए कि पूरे दस दिन देश के टैक्स पेयर्स के कितने सौ करोड़ बर्बाद हुए। प्रतिपक्ष का एक नेता पांच सवाल पूछता है। अडानी पर जेपीसी की मांग सदन में होती है, तो ये सब नहीं होना चाहिए था क्या? माना कि देश के प्रधानमंत्री को निशाने पर लेकर श्चौकीदार चोर हैश, श्हम दो–हमारे दोश, श्देश के पैसे से खाई मलाई, मोदी अडानी भाई–भाईश का नारा सदन में नहीं लगना चाहिए था, मगर इस लक्ष्मण रेखा को लांघने की शुरूआत किसने की थी? 31 जनवरी 2023 से अबतक, संसद में जो शब्दभेदी बाण छोड़े गये, उसकी श्सिल्वर जुबलीश सोशल मीडिया पर हो चुकी है।

अगस्त 2013 का संसद सत्र मुझे अच्छी तरह याद है, जब मनमोहन सिंह के विरूद्ध श्प्रधानमंत्री चोर हैश के नारे लगे थे। उस नारेबाजी के साथ बीजेपी और उसके समर्थक सांसद सत्र का वाकआउट कर गये थे। मतलब, आप कीचड़ उछालो तो कमल बन जाए, दूसरा वही करे, तो वह संसदीय मर्यादा का उल्लंघन है। है तो दोनों ही अप्रिय। मगर, जब सत्ता में बैठे लोगों की खाल मोटी हो जाती है, तब इसी तरह की प्रतिक्रियाएं दरपेश होती हैं। उस समय के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष अरूण जेटली से पूछा था, श आप ही बतायें, दुनिया के किसी भी संसद में अबतक श्प्रधानमंत्री चोर हैश के नारे लगे हैं क्या?श सदन में यह सब बोलते समय संजीदा से दिखने वाले मनमोहन सिंह लहजा रूखा, और सख्त था। दस साल बाद, आप यदि उसी सदन में प्रधानमंत्री मोदी की भाव–भंगिमा से मनमोहन सिंह की तुलना कीजिएगा, तो जमीन आसमान का अंतर दिखेगा। तब आपको मणिशंकर अय्यर का बहुचर्चित वाक्य याद आयेगा। आप देश के प्रधानमंत्री हैं, चुनांचे संसदीय मर्यादा आपसे शुरू और आप पर ही समाप्त होती है। गली के छिछोरे से शालीनता की उम्मीद हम वैसे भी नहीं करते। मगर, देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति का एक–एक व्यवहार समाज और उसके संसदीय साथियों के लिए अनुकरणीय होता है। इसलिए ब्रह्माकुमारी ओम शांति रिट्रीट सेंटर के मंच से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, वह मानीखेज है। उसपर इस समाज में उच्च पदों पर बैठे लोगों को सबसे पहले गौर करना चाहिए। देर–सवेर इस सवाल को उठना है कि पिछले एक दशक से संसद में धन्यवाद प्रस्ताव के नाम पर जो तमाशा हो रहा है, उसे रोकेगा कौन? हम यह भी नहीं कह सकते कि संसदीय परंपरा में संशोधन संभव नहीं। 1951 में हुए पहले संविधान संशोधन के तहत अनुच्छेद 87 (1) में यह प्रावधान किया गया कि आम चुनाव के बाद पहले सत्र, और हर साल के शुरूआती सत्र में संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति अभिभाषण देंगे। एक घटना की चर्चा मैं जरूर करूंगा, जब 28 फ रवरी 1977 को बिना राष्ट्रपति के अभिभाषण के राज्यसभा का सत्र हुआ था। उस कालखंड में लोकसभा विघटित हो चुका था। ऐसा हम मानकर चलते हैं कि राष्ट्रपति का अभिभाषण हमारे देश की संवैधानिक जरूरत है। कोई सर्वोच्च व्यक्ति तो चाहिए, जो संसदीय कार्यवाही का सूत्रधार हो। राष्ट्रपति उस जिम्मेदारी का निर्वहन करें, यह सर्वथा उचित है। मगर, सवाल धन्यवाद ज्ञापन के बहाने संसद में हो रहे संग्राम का है। संसद में धन्यवाद का ढब जिस तरह से बदला है, उसे देखकर सभासदों द्वारा राष्ट्रपति के प्रति सम्मान प्रकट करने की अनुभूति नहीं होती। संसद सत्र में लड़ना–भिड़ना तो चलता रहेगा, यह दुनिया के सभी सदनों में है। किंतु इस महाभारत के लिए राष्ट्रपति के कंधे का इस्तेमाल क्यों हो? इसलिए इस श्धन्यवादश नामक घातक वायरस से मुक्ति का समय आ गया है। अनुच्छेद 52 से 62, राष्ट्रपति की शक्तियां और उनके अधिकारों की व्याख्या करता है। संविधान के अनुच्छेद 86 (1) में राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि उनकी जब इच्छा हो, संसद के किसी एक सदन या दोनों सदनों में अभिभाषण दे सकती हैं। हालांकि, आज तक इस आर्टिकल का इस्तेमाल नहीं हुआ है। दोनों सदनों में सालभर में तीन सत्र होते हैं। पहला– बजट सत्र, दूसरा– मानसून सत्र, और तीसरा– शीतकालीन सत्र। लोकसभा के नियम 16 और राज्यसभा के नियम 14 के अनुसार, श्अध्यक्ष को सदन के नेता या प्रधानमंत्री से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय तय करना होता है।

अमेरिकी लड़ाकू विमान ने कनाडा के हवाई क्षेत्र में अज्ञात, बेलनाकार वस्तु को नष्ट किया: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ–22 ने कनाडा के हवाई क्षेत्र में एक अज्ञात बेलनाकार वस्तु को नष्ट किया है। इससे एक दिन पहले अमेरिका ने अलास्का के जल क्षेत्र के ऊपर एक अज्ञात वस्तु और एक सप्ताह पहले साउथ कैरोलाइना तट के पास एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को नष्ट किया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बताया कि इस अज्ञात वस्तु को शनिवार को उत्तर–पश्चिम कनाडा के युकोन क्षेत्र में नष्ट किया गया। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया कि यह वस्तु एक रात पहले अलास्का में देखी गई थी और सैन्य अधिकारियों ने बारीकी से इस पर नजर रखी। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद इस संबंध में फैसला किया गया।

ट्रूडो ने कहा, ''मैंने कनाडाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाली एक अज्ञात वस्तु को नष्ट करने का आदेश दिया था। एनओआरएडी (नार्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड) ने युकोन में एक वस्तु को मार गिराया। कनाडाई और अमेरिकी विमानों को तैनात किया गया

और एक अमेरिकी एफ–22 ने वस्तु को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।'' कनाडा की रक्षा मंत्री अनीता आनंद ने बताया कि करीब 40,000 फुट की ऊंचाई पर उड़ रही यह वस्तु ''बेलनाकार'' थी और पिछले सप्ताह के अंत में मार गिराए गए संदिग्ध चीनी गुब्बारे से छोटी थी। इससे एक दिन पहले अमेरिका के एक लड़ाकू विमान ने अलास्का के उत्तरी तट के पास करीब 40,000 फुट की ऊंचाई पर उड़ रही छोटी कार के आकार की एक वस्तु को बाइडन के आदेश पर नष्ट किया था। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव ब्रिगेडियर पैट राइडर ने बताया कि एनओआरएडी ने शुक्रवार देर शाम अलास्का के ऊपर एक वस्तु देखी। व्हाइट हाउस ने बताया कि एनओआरएडी ने इसके बाद 24 घंटे इस वस्तु पर निकटता से नजर रखी और राष्ट्रपति को उनके राष्ट्रीय सुरक्षा दल ने इसकी लगातार जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने कहा, ''अत्यधिक सावधानी बरतते हुए और अपनी सेनाओं की सिफारिश पर राष्ट्रपति बाइडन और कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने इसे नष्ट करने की अनुमति दी।'' बाइडन ने इस अभियान के लिए एनओआरएडी को सौंपे गए अमेरिकी लड़ाकू विमान को इस अभियान के लिए अधिकृत किया और एक अमेरिकी एफ–22 विमान ने कनाडा के अधिकारियों के साथ निकट समन्वय से कनाडाई क्षेत्र में वस्तु को नष्ट कर दिया। राइडर ने बताया कि एक अमेरिकी एफ–22 विमान ने अमेरिकी एवं कनाडाई प्राधिकारियों के निकट समन्वय के बीच 'एआईएम 9एक्स' मिसाइल का इस्तेमाल करके वस्तु को नष्ट कर दिया। इस बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने भी बताया कि उनके आदेश पर एक अमेरिकी लड़ाकू विमान ने युकोन के हवाई क्षेत्र में उड़ रही एक ''अज्ञात वस्तु'' को नष्ट कर दिया। एफ–22 लड़ाकू विमान अब तक तीन ऐसी वस्तुओं को नष्ट कर चुके हैं, जिनमें से कम से कम वस्तु चीनी जासूसी गुब्बारा था, लेकिन शेष दो की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। अमेरिका ने एक सप्ताह पहले ही अटलांटिक महासागर में दक्षिण कैरोलाइना के तट के पास चीन के एक गुब्बारे को नष्ट किया था, जिसने 30 जनवरी को अमेरिकी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया था। पेंटागन ने कहा है कि उक्त गुब्बारा एक बड़े निगरानी कार्यक्रम का हिस्सा था जिसे चीन कई सालों से चला रहा है। चीन ने स्वीकार किया है कि यह गुब्बारा उसका था लेकिन उसने इस बात से इनकार किया कि इसका मकसद जासूसी करना था। चीन का कहना है कि इसका उद्देश्य मौसम संबंधी जानकारी जुटाना था।

गोवा में 350 साल प्राचीन सप्तकोटेश्वर मंदिर का हुआ पुनरुद्धार, पीएम मोदी ने गोवा सरकार को दी बधाई

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐतिहासिक श्री सप्तकोटेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार पर गोवा

सरकार को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि इससे युवाओं का आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ाव मजबूत होगा और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को राजधानी पणजी से 35 किलोमीटर दूर उत्तर गोवा जिले के नरवे गांव में योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा तीन शताब्दी पहले बनवाए गए पुनर्निर्मित मंदिर का उद्घाटन किया। गोवा राज्य अभिलेखागार और पुरातत्व विभाग ने इस मंदिर का पुनरुद्धार किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को एक ट्वीट करते हुए कहा, ष्पुनर्निर्मित श्री सप्तकोटेश्वर देवस्थान, नार्वे, बिचोलिम हमारे युवाओं को आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ेगा। इससे गोवा में पर्यटन को भी और बढ़ावा मिलेगा। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गोवा सरकार को नवीकरण के बाद ऐतिहासिक मंदिर को फिर से खोलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, ष्कई आक्रमणकारियों द्वारा हमला किए जाने के बाद, छत्रपति शिवाजी महाराज ने मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। यह एक प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में पूरे भारत से पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

Syria and Turkey में आए भूकंप में मरने वालों की संख्या 28,000 के पार, बचाव कार्य जारी

दमिश्क। तुर्किये और सीरिया में पांच दिन पहले आए भीषण भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 28,000

के पार हो गई है तथा और लोगों के जीवित बचने की तेजी से लगातार धूमिल होती उम्मीदों के बीच बचाव कार्य जारी है। भूकंप के बाद लोगों का जीवन बचाने के लिए बचावकर्मी पिछले पांच दिन से कड़ाके की ठंड में लगातार काम कर रहे हैं। बचाव कार्य के दौरान शनिवार को 12 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। बार–बार बेहोश हो रहे और होश में आ रहे इब्राहिम जकारिया नाम के व्यक्ति को इस बात का पता नहीं था कि वह कितने दिन से अपने घर के मलबे के नीचे दबा था। जकारिया को शुक्रवार रात को बचाया गया।

जकारिया ने शनिवार को अस्पताल में 'द एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, ''मुझे लगा था कि मैं मरने वाला हूं और मेरे लिए फिर से जीना असंभव होगा।'' भूकंप के बाद शनिवार को बचाए गए लोगों में अतांक्या में बचाया गया सात महीने का एक बच्चा और कहरामनमारस का एक परिवार शामिल है। टेलीविजन नेटवर्क 'हैबरटर्क' ने बताया कि सीरिया की सीमा से सटे गाजियांटेप प्रांत में नुरदागी शहर की एक इमारत के मलबे से एक परिवार के पांच लोगों को बचाया गया। इस्लाहिये कस्बे के मलबे से एक व्यक्ति और उसकी तीन वर्षीय बेटी को बाहर निकाला गया। सात वर्षीय एक बच्ची को हाते प्रांत में बचाया गया। इब्लिस्तान में 20 वर्षीय मेलिसा उल्कु और एक अन्य व्यक्ति को मलबे में 132 घंटे फंसे रहने के बाद बचाया गया। तुर्किये के टीवी स्टेशन 'एनटीवी' ने बताया कि हाते प्रांत के इस्केंदेरुन में 138 घंटे से मलबे में फंसे 44 वर्षीय एक व्यक्ति को बाहर निकाला गया।

बचावकर्मियों ने इसे एक चमत्कार बताया और कहा कि उन्हें किसी के मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन वे खोदते गए और उन्हें एक व्यक्ति की आंखें दिखीं, जो अपना नाम बता रहा था। एनटीवी ने बताया कि इसी प्रांत में भूकंप के 140 घंटे बाद अंताक्या में एक बच्चे को मलबे से बाहर निकाला गया। इस बीच 50 घंटे की मशक्कत के बाद मलबे से निकाली गई जेयनेप काहरमन नाम की महिला ने रात में अस्पताल में दम तोड़ दिया। ये बचाव कार्य भूकंप के बाद तुर्किये सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर लोगों के बढ़ रही हताशा के बीच जारी हैं। इस भूकंप से केवल तुर्किये में 24,617 लोगों की मौत हुई है और कम से कम 80,000 लोग घायल हुए हैं।

रीयाल मैड्रिड ने अल हिलाल को हराकर आठवीं बार क्लब विश्व कप जीता

रबात। विनिसियस जूनियर ने दो गोल दागे और करीम

बेनजेमा को गोल करने में मदद की जिससे रीयाल मैड्रिड ने क्लब विश्व कप फाइनल में सऊदी अरब के अल हिलाल को 5–3 से हराकर अपने ही रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आठवीं बार खिताब जीता। शनिवार को फाइनल में यूरोपीय चौंपियन रीयाल मैड्रिड की ओर से दो अन्य गोल फेडेरिको वेलवर्डे ने किए। अल हिलाल की टीम मैच में कभी बढ़त नहीं बना पाई लेकिन उसने साबित किया कि ब्राजील के क्लब फ्लेमेंगो को हराकर फाइनल में जगह बनाना तुक्का नहीं था। फाइनल में टीम की ओर से लूसियानो वीटो ने दो जबकि मोसा मारेगा ने एक गोल किया। विनिसियस ने 13वें मिनट में मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 69वें मिनट में टीम की ओर से पांचवां और अंतिम गोल दागा। इससे पहले टेंगियर में फ्लेमेंगो ने तीसरे स्थान के मुकाबले में मिस्र के क्लब अल आहली को 4–2 से हराया। दक्षिण अमेरिकी चौंपियन फ्लेमेंगो की ओर से पेड्रो और गैब्रियल बारबोसा ने दो–दो गोल किए। अल आहली की ओर से दोनों गोल अहमद अब्देल कादिर ने दागे।

यूक्रेन में युद्ध वर्षों तक खिंच सकता है: Wagner chief

यूक्रेन की लड़ाई में सक्रिय रूप से शामिल रूसी निजी सैन्य

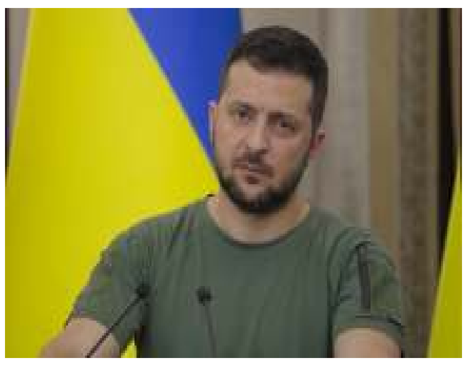

इकाई 'वैगनर ग्रुप' के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने अनुमान जताया है कि युद्ध वर्षों तक खिंच सकता है। येवगेनी प्रिगोझिन ने शुक्रवार देर रात जारी एक वीडियो साक्षात्कार में कहा कि रूस को यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक गढ़ डोनबास पर पूरी तरह से नियंत्रण करने में 18 महीने से दो साल लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर रूस नाइपर नदी के पूर्व में व्यापक क्षेत्रों पर कब्जा करने का फैसला करता है तो युद्ध तीन साल तक चल सकता है। रूसी सेना ने यूक्रेन के लुहांस्क और दोनेत्स्क प्रांतों पर ध्यान केंद्रित किया है। यूक्रेनी और पश्चिमी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस द्वारा यूक्रेन पर किये गये हमले को एक साल होने वाला है और रूस अपने हमलों को तेज कर सकता है। यूक्रेन के सैन्य खुफिया प्रवक्ता एंड्री चेर्न्याक ने 'कीव पोस्ट' को बताया, ''रूसी कमान के पास बड़े पैमाने पर आक्रामक कार्रवाई के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''रूसी सैनिकों का मुख्य लक्ष्य पूर्वी यूक्रेन में कम से कम कुछ सामरिक सफलता हासिल करना है।'' प्रिगोझिन ने कहा कि 'वैगनर ग्रुप' के सैनिकों ने दोनेत्स्क क्षेत्र में नियंत्रण के लिए लड़ाई जारी रखी है। रूसी सेना ने शुक्रवार को पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में हमले करने के लिए क्रूज मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया था। यूक्रेन का कहना है कि रूस के हमले को एक साल पूरा होने वाला है और इससे पहले उसने (रूस ने) पूर्वी क्षेत्रों में हमलों को तेज कर दिया है।

हिंसक भीड़ ने थाने पर धावा बोला, ईशनिंदा के आरोपी व्यक्ति को पीट–पीटकर मार डाला

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को हिंसक भीड़ ने एक थाने पर धावा बोल दिया और उसने ईशनिंदा आरोपी एक व्यक्ति को पीट–पीटकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां से करीब 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के वार्बर्टन में भीड़ ने थाने पर धावा बोल दिया और उसने ईशनिंदा के

आरोपी वारिस ईसा को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि भीड़ ने ईसा को निर्वस्त्र कर दिया और पीट–पीटकर उसे मार डाला। ईसा को पवित्र ग्रंथ की कथित बेअदबी के मामले गिरफ्तार किया गया था।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार, इलाके के लोगों ने दावा किया है कि दो साल बाद जेल से छूटकर आया व्यक्ति पवित्र ग्रंथों पर अपनी पूर्व पत्नी की तस्वीर चिपकाकर जादू–टोना करता था। इस व्यक्ति के साथ मारपीट की घटना के कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर आए हैं। एक वीडियो में बच्चों समेत भीड़ को थाने की गेट पर चढ़ते हुए देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना में शामिल लोगों के विरूद्ध कार्रवाई का आदेश दिया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्यों पुलिस हिंसक भीड़ को रोक नहीं पायी। उन्होंने पंजाब में पुलिस महानिरीक्षक को जिले में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, '' कानून का शासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसी को भी कानून को प्रभावित करने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए।

अदिति अशोक मोरक्को में तीसरे स्थान पर, ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर कायम

रबात। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक तीसरे और अंतिम दौर

में एक अंडर 72 के स्कोर से यहां एल मरयम कप में तीसरे स्थान पर रहीं। अंतिम दौर की शुरुआत छह अंडर के स्कोर से करने वाली इस भारतीय गोल्फर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। स्वीडन की माजा स्टार्क ने अंतिम दौर में चार अंडर के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता। स्टार्क ने स्वीडन की ही लिन ग्रांट (68) को चार शॉट से पछाड़ा। यह स्टार्क का छठा लेडीज यूरोपीय टूर खिताब है। अदिति हालांकि अब भी 2023 रेस टू कोस्टा डेल सोल (ऑर्डर ऑफ मेरिट) में शीर्ष पर चल रही हैं। उन्हें 230 अंक मिले जिससे उनके 730 अंक हो गए हैं। स्टार्क को इस हफ्ते 500 अंक मिले जिससे वह दूसरे स्थान पर हैं।

ब्लिंकिट 12 महीनों में डार्क स्टोर की संख्या 40 प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी में

नयी दिल्ली। घरेलू इस्तेमाल के सामान की त्वरित आपूर्ति करने वाली कंपनी ब्लिंकिट अपने डार्क स्टोर की संख्या अगले 12 महीनों में 40 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलबिंदर ढींढसा ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने डार्क स्टोर की संख्या को 400 के मौजूदा स्तर से बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ब्लिंकिट ने नए क्षेत्रों एवं शहरों में अपने विस्तार की संभावनाएं देखी हैं। इसके लिए डार्क स्टोर की संख्या बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। ब्लिंकिट गोदाम के तौर पर इस्तेमाल होने वाले अपने डार्क स्टोर के जरिये ग्राहकों को थोड़े ही समय के भीतर रोजमर्रा की जरूरत के सामान की आपूर्ति करती है। ढींढसा ने कहा, हमारा मानना है कि हम अपने डार्क स्टोर की संख्या को अगले 12 महीनों में करीब 30–40 प्रतिशत बढ़ा सकते हैं। अपने स्टोर के लिए सबसे किफायती स्थान तलाश पाने की क्षमता पर भी यह निर्भर करेगा। ब्लिंकिट का ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो ने पिछले साल अधिग्रहण किया था।

blinkit
India's Last Minute App

बोकुम को हराकर बायर्न बुंदेसलीगा में शीर्ष पर बरकरार

FC BAYERN MÜNCHEN

बर्लिन। थॉमस म्यूलर ने बायर्न म्यूनिख की ओर से रिकॉर्ड मुकाबले खेलने का जश्न गोल करके मनाया जिससे गत चौंपियन टीम बोकुम को 3–0 से हराकर बुंदेसलीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शीर्ष पर बरकरार है। बायर्न की ओर से म्यूलर 428वां लीग मुकाबला खेल रहे थे जो क्लब के महान खिलाड़ी गर्ड म्यूलर से एक अधिक है। यह आउटफील्ड में खेलने वाले किसी खिलाड़ी के क्लब के लिए रिकॉर्ड मैच हैं। गोलकीपर ओलीवर काहन (429) और सेप मायर (473) ने ही इससे अधिक मैचों में क्लब का प्रतिनिधित्व किया है। म्यूलर ने 41वें मिनट में बायर्न म्यूनिख को बढ़त दिलाई जिसके बाद किंग्सले कोमैन और सर्गेई गनेबरी ने भी एक–एक गोल दागा। इस जीत से बायर्न ने अंक तालिका में यूनियन बर्लिन पर एक अंक की बढ़त बनाए रखी है जिसने लेपजिग के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2–1 से जीत दर्ज की। बायर्न के 20 मैच में 43 जबकि बर्लिन के इतने ही मैच में 42 अंक हैं। अन्य मुकाबलों में बोरूसिया डोर्टमंड ने वर्डर ब्रेमेन को 2–0 से हराया जबकि होफेनहीम को बायर्न लीवरक्यूसेन के खिलाफ 1–3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। फ्राइबर्ग ने स्टुटगार्ट को 2–1 से हराया जबकि मेंज ने ऑग्सबर्ग को 3–1 से शिकस्त दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मशीन होते हुए भी जांच नहीं

निजी पैथॉलाजी पर जांच कराते हैं मरीज, जिम्मेदार अधिकारियों को ध्यान नहीं

महराजगंज। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सीबीसी यानी कंपलीट ब्लड काउंट जांच की सुविधा नहीं है। इससे निजी पैथोलॉजी सेंटरों की चांदी है। प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से कम से पांच मरीज सीबीसी जांच कराते हैं। कुल मिलाकर 70 मरीजों की जांच के लिए निजी सेंटर पर जाना पड़ता है। चार माह पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मशीनें भेज दी गईं लेकिन उसमें प्रोग्राम नहीं भरा गया। मशीनें संचालित नहीं हो रहीं हैं। स्लाइड से होने वाली जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर हो रही है।

जानकारी के अनुसार, जिले में 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। सभी सीएचसी में पैथोलॉजी संचालित हैं। लैब टेक्नीशियन के अलावा जरूरी मशीनें हैं। सीबीसी एनलाईजर, ईएसआर एनलाईजर, यूरिन एनेलाइजर मशीन, बॉयोकेमस्ट्री मशीन चार माह पहले ही भेज दी गई है। लेकिन मशीन में प्रोग्राम अपडेट नहीं है। किसी मरीज को सीबीसी कंपलीट ब्लड काउंट की जांच करानी है तो नहीं हो सकेगी। मरीजों को बाहर ही इलाज के लिए जाना पडेगा।

मोहनापुर के राजेंद्र ने बताया कि अस्पताल में जांच की सुविधा नहीं रहने के कारण जांच कराने में 1,000 रुपये खर्च हो गए। खोन्हौली के राजेंद्र ने बताया कि जांच की सुविधा नहीं रहने से परेशानी हुई। निजी सेंटर पर जांच करानी पड़ी। शीतलापुर के राधे यादव ने बताया कि सीएचसी में जांच नहीं हुई तो बाहर रकम देकर जांच करानी पड़ी।

मशीनें पहुंचीं संचालित नहीं

सदर सीएचसी अधीक्षक डॉ. केपी सिंह ने बताया कि सदर में एक मशीन छोड़कर सभी मशीनें संचालित हैं। यूरिन ऐनलाइजर क्रियाशील नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघली के अधीक्षक डॉ. अमित विक्रम ने बताया कि चार माह पहले मशीनें मिली हैं, लेकिन संबंधित संस्था की ओर से शुरू नहीं किया गया है। स्लाइड से जांच होती है। परतावल के अधीक्षक डॉ. राजेश द्विवेदी ने बताया कि मशीनें मिली हैं लेकिन शुरू नहीं हो सकी हैं।

क्या होती है सीबीसी जांच

सीबीसी यानी कंपलीट ब्लड काउंट एक सामान्य ब्लड टेस्ट है। इससे तमाम बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। इस जांच के जरिए मुख्य रूप से रक्त में मौजूद व्हाइट ब्लड सेल्स, रेड ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की काउंटिंग की जाती है। रक्त में मौजूद कई अन्य स्तर की जानकारी मिलती है। सामान्य तौर पर डॉक्टर स्वास्थ्य स्थिति को जानने के लिए सीबीसी टेस्ट करवाते हैं।

पंजीकरण के लिए 500 रुपये शुल्क लिए जाने का आरोप, विरोध में छात्रों ने किया प्रदर्शन

देवरिया। अगली कक्षाओं में पंजीकरण के लिए 500 रुपये लेट शुल्क लेने के विरोध में शनिवार को बीआरडी पीजी कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शन किया। उग्र छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही एवं विद्यार्थियों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए कॉलेज के प्रवेश द्वार के गेट को बंद कर दिया। इससे दो घंटे तक शिक्षक भी परेशान हुए। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्रनेता मुकेश कुमार ने बताया कि बीए, बीएससी, बीएससी कृषि, एमएससी सहित अन्य कक्षाओं के अगले सेमेस्टर में प्रवेश प्रारंभ हुए हैं। सात, आठ व नौ फरवरी को गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इसके लिए अपनी वेबसाइट खोली थी। हालांकि तकनीकी दिक्कतों के चलते इस बीच सर्वर ने विद्यार्थियों को खूब परेशान किया। इससे नौ फरवरी तक संबंधित छात्र–छात्राएं पंजीकरण नहीं करा पाए। ऐसे में महाविद्यालय के प्राचार्य ने आश्वासन दिया था कि शनिवार को शेष विद्यार्थियों का पंजीकरण किया जाएगा। शनिवार को जब कॉलेज काउंटर पर छात्र पहुंचे तो पंजीकरण के नाम पर लिपिकों ने प्रति छात्र 500 रुपये लेट शुल्क मांगा। जबकि सर्वर जाम होने या फेल रहने के जिम्मेदार विद्यार्थी नहीं हैं, ऐसे में प्रति विद्यार्थी 500 रुपये लेट शुल्क लिया जाना कतई छात्रहित में नहीं है। जब इस मुद्दे को लेकर प्राचार्य कार्यालय में पहुंचे तो पता चला कि वह सुबह से ही नहीं आए हैं। इसके विरोध में विद्यार्थी धरना देने व प्रदर्शन करने को मजबूर हुए। जब तक इस शुल्क को वापस नहीं लिया जाता, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन में अनूप पाल, कर्मवीर सिंह, सर्वेश शाही, आजीत मिश्रा, आदित्य, मनीष, काजल, निकिता, पूजा यादव, प्रीति यादव आदि शामिल रहीं।

विनय व सरिता ने दौड़ में मारी बाजी

परतावल। मिनी स्टेडियम श्यामदेउरवां में हुए खेल स्पर्धा के अंतिम दिन 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में विनय यादव ने पहला एवं कुणाल निषाद ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सरिता यादव ने पहला व ज्योति चौधरी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद बालक वर्ग में यशपाल यादव ने पहला स्थान प्राप्त किया। शॉट पुट में अर्जुन प्रजापति ने पहला स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में अंकिता गुप्ता ने पहला एवं दिव्य चौरसिया ने दूसरा, 400 मीटर दौड़ में राधिका चौरसिया ने पहला एवं जानकी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में दिव्या चौरसिया व लंबी कूद में राजनंदिनी यादव ने पहला स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद में अंजू पाल ने पहला एवं रिमझिम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। समापन के दौरान विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

बौद्ध स्थलों पर पहुंचेंगे कोरिया के तीर्थयात्री

महराजगंज। कोरिया के 200 बौद्ध यात्री 12 से 14 मार्च के बीच जिले में आएंगे। वे तीन दिनों तक यहां रह कर बौद्ध स्थलों के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे। उसके बाद नेपाल के लिए रवाना होंगे। इसके लिए प्रशासन भी अपनी तैयारियों में जुटा हुआ है। जिले में रामग्राम, देवदह व बनरसिहा कला एवं कुंवरवतीं स्तूप को गौतम बुद्ध से जुड़े स्थल के रूप में माना जाता है। हालांकि, अभी तक इसकी अधिकृत मान्यता की पुष्टि नहीं हो पाई है। इसकी व्यापकता की दिशा में प्रशासनिक स्तर से पहल भी हो रही है। इसके तहत पुरातत्व विभाग की टीम ने भी इसे देखने का कार्य किया है। इन स्थलों पर उत्खनन कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। इसी बीच 12 से 14 मार्च के बीच में कोरिया के 200 बौद्ध तीर्थ यात्रियों के दल को भी यहां बुलाया गया है। दल के सदस्य बुद्ध से जुड़े स्थलों पर पहुंचकर उसकी वास्तविकता को देखेंगे तथा उसके बारे में जानकारी देंगे। तिथिवार यहां पहुंचने का कार्यक्रमः 12 मार्च– बौद्ध तीर्थ यात्री हरपुर, शिकारपुर, गौनरिया बाबू, चौपरिया, कटहरा, बागापार व बरईठवा पहुंचेंगे। 13 मार्च– बरईठवां से केवलापुर खुर्द, जंगल गुल्हरिया, रामग्राम, बैरवां चंदनपुर, कड़जहिया होते हुए खोरिया पहुंचेंगे। 14 मार्च– तीर्थ यात्री खोरिया से जगरनाथपुर, महुअवा, सोनौली व लुंबिनी जाएंगे।

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने की जद्दोजहद करेंगी चार टीमें

महराजगंज। जिले में 16 फरवरी से पांच मार्च तक होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण, निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए चार सचल दल टीम गठित की गई है। टीम जिले में बने 115 केंद्रों का निरीक्षण करते हुए नकलविहीन परीक्षा कराने पर जोर देगी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के लिए जिले में हाईस्कूल व इंटर में कुल 75,377 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा के लिए बनाए गए 115 केंद्रों पर व्यवस्था को चाक–चौबंद किया गया है। परीक्षा के लिए 115 स्टेटिक, 12 सेक्टर व पांच जोनल अधिकारी बनाए गए हैं। इसके साथ ही नकल पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के उप शिक्षा निदेशक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व वित्त एवं लेखाधिकारी माध्यमिक शिक्षा के नेतृत्व में टीम गठित है। सभी टीमों में राजकीय विद्यालयों के तीन–तीन शिक्षकों को तैनात किया गया है। इसमें से दो–दो महिला शिक्षक भी हैं। सचल दस्ते के लिए गठित की गई सभी चार टीमों के साथ एक–एक उप निरीक्षक व दो–दो सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए गए हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए चार सचल दल टीकों का गठन किया गया है। सभी टीमें पूरी तत्परता से कार्य करें।

तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नवनियुक्तराज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को दी बधाई

गोरखपुर। तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन के संस्थापक अध्यक्ष

महासचिव शैलेंद्र कुमार मिश्र ने नवनियुक्त हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के गोरखपुर आवास पर उन्हें बुके देकर राज्यपाल बनने पर बधाई व्यक्त की। उपरोक्त क्रम में शैलेंद्र कुमार मिश्र ने माननीय शिव प्रताप शुक्ला जी के राजनैतिक जीवन की प्रशंसा करते हुए कहा कि निर्विवाद निष्पक्ष और कर्मठ राजनैतिक व्यक्तित्व के धनी हैं और राजनैतिक जीवन में त्याग और समाज के प्रति उदारता पूर्ण समर्पण और समाज सेवा का परिणाम है कि राजनैतिक जीवन में राज्यपाल पद तक की यात्रा उनके सफल राजनैतिक जीवन का परिचायक है ।

वैश्य पार्टी के गठन से आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा लाभः प्रो.सी.पी. गुप्ता

कार्यकारिणी विस्तार की बैठक में बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. सी. पी. गुप्ता

भटहट, गोरखपुर। नव निर्माणाधीन वैश्य पार्टी की क्षेत्रीय बैठकें शुरू हो गई है। बैठकों के क्रम में आज नारायण गुप्ता प्रधान ने बूथ स्तर पर कमेटी गठन करने की बात कही । अछैबर साहू ने ग्रामीण परिस्थितियों करना अति आवश्यक है। बिना लक्ष्य निर्धारण किए हमें सफलता नहीं मिलेगी जयश्री ने कहा कि सभी पार्टियों ने

पहली बैठक भटहट ब्लॉक में आहूत की गई । बैठक का आयोजन छेदी प्रसाद गुप्ता ने किया । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरिम राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सी पी गुप्ता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता सुरेंद्र मद्धेशिया ने की। बैठक में लगभग वैश्य समुदाय के सभी जातियों के लोगों ने अपनी भागीदारी दी। बैठक में वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखें। उक्त के क्रम में विनोद गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि वास्तव में वैश्य समाज को अब एकजुट होने की जरूरत है नहीं तो आने वाली पीढ़ियां खामियाजा भुगतेंगी ।

त्रियुगीनारायण ने वैश्य समाज में रोटी बेटी के संबंधों को आगे बढ़ाने की बात कही । वहीं राम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज बनिया समाज की स्थिति यह हो गई है कि अगर एक बनिया समाज का सदस्य कहीं मार खाता है तो दूसरा उसे बचाने नहीं आता है, इसलिए एकता बहुत जरूरी है । बताते चलें कि महाजन गुप्ता ने हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया तो सियाराम ने भी वैश्य एकता पर बल दिया। श्याम मोहन ने वैश्य एकता की बात को स्वीकार करते हुए कहा कि मेरे बुरे वक्त में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूरा सहयोग किया है, इसलिए हमें एक होने की सख्त जरूरत है ताकि हर असहाय वैश्य बंधुओं की मदद हो सके। सभा के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद मद्धेशिया ने कहा कि आज हम एक बड़े काम की शुरुआत कर रहे हैं जिसके लिए लक्ष्य निर्धारण बनिया वर्ग का शोषण किया है मगर जब हमारा एक संगठन खड़ा हो जाएगा तो हमें भी बल मिलेगा ।

वही अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष सीपी गुप्ता ने कहा कि आज हम जिस तरीके से गांव–गांव में घूमकर वैश्य समाज की कमेटियां बना रहे हैं उसका लाभ हमारी आने वाली पीढ़ियों को निश्चित रूप से मिलेगा । वैश्य समाज तब तक सशक्त नहीं होगा जब तक की राजनीति में उसकी भागीदारी सुनिश्चित ना हो । उपरोक्त बैठक में रवि गुप्ता, डॉ ए के वर्मा, सतीश जायसवाल, डॉ केबी गुप्ता,डॉ एके जायसवाल,जगत प्रसाद गुप्ता, कृष्ण चंद गुप्ता, विमलेश कुमार गुप्ता, घनश्याम कसौधन आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केशभान राय की मनायी गयी 32 वीं पुण्यतिथि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला / गोरखपुर।पूर्वांचल में समाजवादी चिंतक के रूप में प्रसिद्ध,जय

प्रकाश नारायण,डा लोहिया व नरेन्द्र देव की विचारधारा के पक्ष धर तथा उनके अनुप्राणित गोला ब्लाक के गोपलापुर गांव में जन्मे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केशभान राय समाजवाद के सजग प्रहरी थे। उक्त बाते प्रबंधक रवि प्रताप राय ने गोला क्षेत्र के पड़ौली स्थित आनंद विद्या पीठ इन्टर कालेज के प्रांगण में महान स्वत्रता संग्राम सेनानी केशभान राय की 32 वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। प्रधानाचार्य प्रमोद सिंह ने कहा कि इस विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षको का परम सौभाग्य है कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी द्वारा स्थापित विद्यालय में हम शिक्षक हैं जहां स्व केशभान राय जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वयं अध्यापन किया है।संचालन करते हुए शिक्षक अनिल राय ने कहा कि स्मृतियां भी परोक्ष साक्षात्कार होती हैं जो स्व केशभान राय के संस्मरण से हृदय में ऊर्जा का संचार होता है।अध्यक्षता के बी राय एकेडमी के डायरेक्टर शिव प्रताप राय ने की।इस अवसर पर प्रमुख रूप से अ प्रा शिक्षक सुरेन्द्र चन्द कौशिक,समीर राय,रजनीश नारायण,विरेन्द्र,अशोक शर्मा,हिरावन यादव,कमलेश पटेल,दीपक सिंह, सम्पूर्णानंद पाण्डेय,अमरेश शुक्ल सहित तमाम शिक्षक–शिक्षिकाएं व छात्र–छात्राओं सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कबड्डी में दिग्विजय नाथ व महराजगंज टाइगर विजेता

महराजगंज। जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में चयनित स्थलों पर तीन दिवसीय सांसद खेल स्पर्धा का शनिवार को समापन हुआ। स्टेडियम में हुए कबड्डी बालिका वर्ग में दिग्विजय नाथ डिग्री कॉलेज तथा बालक वर्ग में महराजगंज टाइगर की टीम विजेता बनी। धनेवा स्थित स्टेडियम में हुए सदर विधानसभा के खेल में कबड्डी बालिका वर्ग में महराजगंज इंटर कॉलेज की टीम व बालक वर्ग में टाइगर क्लब की टीम उप विजेता बनी। खो–खो बालिका वर्ग के फाइनल में टैगोर बालिका इंटर कॉलेज विजेता व कार्मल इंटर कॉलेज उप विजेता बनी। बालक वर्ग में आरके सनशाइन स्कूल विजेता व महराजगंज इंटर कॉलेज को उप विजेता बना। बालक वर्ग रस्साकशी में पहलवान क्लब ने पहला एवं बारूद क्लब ने दूसरा तथा बालिका वर्ग में जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज ने पहला व स्टेडियम की टीम दूसरे स्थान पर रही। बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में आस्था यादव ने पहला व अंशिका पटेल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में नीरज कन्नौजिया ने पहला एवं शाहिद ख्वाजा ने दूसरा तथा 200 मीटर दौड़ में अभय साहनी ने पहला एवं अमन साहनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। समापन के दौरान खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने पुरस्कृत किया। कहा कि हार व जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं। व्यक्तिगत स्पर्धा में खिलाड़ी को तथा टीम स्पर्धा में सभी खिलाड़ी को तत्परता दिखानी होती है। सोनपति देवी महिला महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. बलराम भट्ट ने कहा कि खिलाड़ियों के विकास में सांसद खेल स्पर्धा की अहम भूमिका है। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देना ही खेल का प्रमुख उद्देश्य रहा। संचालन राजीव द्विवेदी व अरविंद जायसवाल ने किया। इस दौरान उप क्रीड़ाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, विंध्यवासिनी सिंह, बैजनाथ सिंह, अखिलेश पाठक, पंकज मौर्या, अभिषेक विश्वकर्मा, अजय श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी व प्रशिक्षक मौजूद रहे।

एफपीओ कार्यक्रम के अन्तर्गत जागरुकता अभियान चला कर किसानों को दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवां। ग्राम सभा चण्डीथान में में नाबार्ड एफ पी ओ कार्यक्रम के अन्तर्गत जागरुकता अभियान भारत सरकार की सेन्ट्रल सेक्टर योजना के अन्तर्गत नाबार्ड द्वारा प्रवर्तित कृषक उत्पादक संगठन का बैठक ग्राम प्रधान

श्री लक्की चन्द मौर्य जी के अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया सामुदायिक केंद्र नौतनवां के रिसोर्स प्रशन कृष्ण कुमार के द्वारा किसान उत्पादक सगठन में बताएं की आप लोग प्रति सदस्य 500 सौ रुपए से लेकर 2000 हजार रुपए तक शेयर जमा करें और सरकार के योजना से जुड़कर लाभ उठाएं। एवं बोर्ड आफ डायरेक्टर श्री दिनेश सिंह जी द्वारा बताया गया की आप लोग कार्यक्रम से जुड़े और दुसरो को भी जोड़े क्यों कि हमारे नौतनवां ब्लाक में सब्जी के खेती पर कम्पनी का रजिस्ट्रेशन सम्पन्न हो चुका है और सरकार का सपना है की कम लागत में किसान को अधिक फायदा हो, एवं जिला बिकास प्रबन्धक नाबार्ड महराजगंज के आदरणीय कृष्ण कुमार जी के द्वारा नाबार्ड कार्यक्रम के अन्तर्गत कम्पनी के सम्बन्ध में बताया गया की आपके कम्पनी में 5 बोर्ड एवं 5 डायरेक्टर का चयन किया गया है जो आपके कम्पनी का अगुवाई वहीं लोग करेंगे एवं आप लोगों को एफ पी ओ कार्यक्रम के दो स्टाफ कर्मचारी मिलेंगे और आपके आफीस का खर्च भारत सरकार के द्वारा दिया जायेगा और आप लोग कृषि यंत्र लेते हैं तो आप को 80 प्रतिशत सब सीडी के रूप में मिलेगा एवं ग्राम प्रधान श्री लक्की चन्द मौर्य जी के द्वारा बताया गया की आप इस कार्यक्रम से जुडते हैं तो आप को उर्वरक, एवं कीटनाशक का लाइसेंस बनाकर रोजगार करके अपने कम्पनी का विकाश कर सकते हैं।उपस्थित बोर्ड आफ डायरेक्टर दिनेश सिंह, लालचंद, श्री मती गेना देवी, रामप्रीत, सन्तोष, रामबेलास एवं पुर्वाचल ग्रामीण सेवा समिति शाखा नौतनवां के रीसोर्स प्रशन कृष्ण कुमार, निचलौल छेदी प्रसाद, सुनील कुमार व अन्य महिला पुरुष किसान उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य आपका साथ हमारा कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला / गोरखपुर।गोला क्षेत्र के बंशीचन्द इण्टरमीडिएट कालेज चिलवां में रविवार को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मिशन के तहत स्वास्थ्य आपका साथ हमारा कार्यक्रम अंतर्गत आयुष्मान भारत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे क्षेत्र के हजारों की संख्या में क्षेत्र के पुरुष व महिलाओं ने

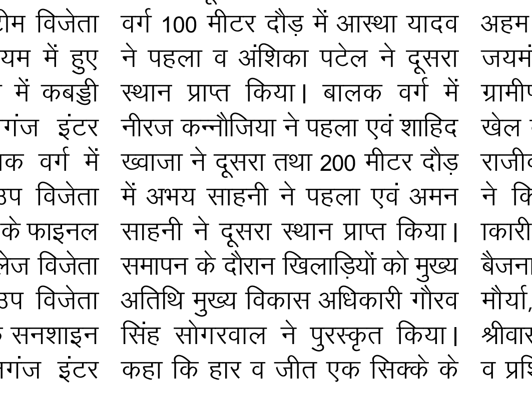

प्रतिभाग कर अपनी स्वास्थ्य की जांच करायी। और चिकित्सक का स्वास्थ्य के प्रति सलाह भी लिया। इस स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती अस्मिता चन्द और जनपद की मानी जानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डा सीमा शाही ने फीता काट कर किया।यहां उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती अस्मिता चन्द ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 6 करोड़ जनता का 5 लाख तक का इलाज पुरी तरह से निःशुल्क कराने के लिए आयुष्मान कार्ड दिया है। ताकि हमारे देश की गरीब जनता जो दवा करा पाने में असमर्थ है। वह अपनी दवा निःशुल्क करा सके। आगे उन्होंने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए जगह जगह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिससे जो लोग अस्पताल तक नही पहुच पा रहे हैं। वह इस शिविर के माध्यम से अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा कर इलाज करा सकते हैं। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जनपद के सुप्रसिद्ध अस्पताल शाही ग्लोबल हास्पिटल सुपर स्पेशिलिटी एवम् मल्टी स्पेशिलिटी संस्थान के अध्यक्ष प्रख्यात सर्जन डा शिव शंकर शाही और डा सीमा शाही व साथ में जनपद से आई उनकी पुरी टीम डॉ प्रमोद नायक, डॉ बी के सिंह, संजय सिंह, अमित तिवारी, संतोष यादव, मनीष गुप्ता, बेबी, अभिषेक चन्द, सत्या गुप्ता ने बड़ी ही तन्मयता के साथ लोगों का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया।साथ ही उचित परामर्श भी दिया। कार्यक्रम के आयोजक ग्राम पंचायत चिलवां के प्रधान रणबीर चन्द उर्फ टिक्कू व डा0 शिव सागर चन्द रहे।

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

दुद्धी / सोनभद्र। आगामी शिवरात्रि महापर्व पर नगर में निकलने वाले शिव बारात को लेकर विभिन्न पहलुओं पर आयोजक मंडलों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता नायब तहसीलदार विशाल पासवान ने किया। बैठक में लोगों ने बताया कि शिव बारात शिवाला मंदिर से निकलेगा जो कैलाश कुंज द्वार मलदेवा जाएगा वहीं डीहवार बाबा से शिव बारात निकल कर लौवा नदी स्थित हीरेश्वर शिव मंदिर पर पहुंचेगा वहां दोनों स्थानों पर भगवान शिव और पार्वती का विवाह का रस्म अदा की जाएगी। बैठक में आयोजक मंडल के लोगों के द्वारा बारात स्थल पर वालेंटियर और उनके द्वारा व्यवस्था में सहयोग के साथ पुलिस प्रशासन बारात निकलने वाले स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था सुचारू किए जाने पर जोर दिया गयाद्य ताकि सकुशल ढंग से महाशिवरात्रि बारात और शादी की रस्म पूरा किया जा सके। दोनों स्थानों पर मेले का आयोजन भी किया जाता है वहां पर पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था मुकम्मल किए जाने की बात कहीद्य बैठक में प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय ,डॉक्टर लवकुश प्रजापति ,कन्हैयालाल अग्रहरी, निरंजन जायसवाल प्रधान प्रतिनिधि ,कुलभूषण पांडे ,राकेश कुमार श्रीवास्तव, रामपाल जौहरी, दिलीप पांडे, बृजेश कुमार पटेल प्रधान प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान सुरेश , एसआई संजय सिंह, एसआई इनामुल हक के अलावा के गांव के ग्राम प्रधान और नागरिक मौजूद रहे।

हाजी सरफराज अहमद बने जामा मस्जिद के नवनिर्वाचित सदर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

चोपन / सोनभद्र। जामा मस्जिद चोपन के अंजुमन इस्लामिया कमेटी का चुनाव परिणाम रविवार की देर शाम आ गया । मतगणना सरपरस्त हाजी मुख्तार अहमद की देखरेख में सम्पन्न हुआ । चुनाव में हाजी सरफराज अहमद 317 वोटों से असलम खान को पराजित कर विजयी रहे। वहीं लगातार 5 वी बार सेक्रेटरी महफूज आरिफ व खाजांची ईदू भाई सर्राफ निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए। चुनाव अधिकारी चिराग अली,नजमुद्दीन ईदरिशी व शाकिब खान ने बताया कि कुल 454 वोट पड़े जहां हाजी सरफराज अहमद ने 317वोट व असलम खान ने 133वोट प्राप्त किये वही 4वोट अनवैलिड हुए। वहीं नवनिर्वाचित सदर हाजी शरफराज अहमद ने कहा कि चोपन की आवाम का मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि हमें जो जिम्मेदारी दी गई है उसका मै पूरी ईमानदारी से पालन करूंगा। वहीं चेयरमैन प्रतिनिधि उस्मान अली ने भी चोपन की आवाम को निष्पक्ष निर्वाचन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। विजेता टीम पांच वर्षों तक जामा मस्जिद , मदरसा , इस्लामिया स्कूल, ईदगाह , कब्रिस्तान आदि स्थानों की देखरेख करेगी। इस मौके पर डां मुन्ना, हाजी वकील अहमद,शेर खान,जहांगीर खां, नाजीम खान, सरफराज अहमद, सलीम कुरैशी, सर्फुद्दीन ईदरीशी,अतहर कुरैशी, चिराग अली,अनीस अहमद इत्यादि लोग मौजूद रहे।

किसान प्रोड्युसर कंपनी छिंदवाड़ा की कार्यप्रणाली सीख समृध्दि यात्रा टीम की हुई वापसी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

म्योरपुर / सोनभद्र ।बनवासी सेवा आश्रम के मार्गदर्शन में 9 सदस्यीय शैक्षणिक यात्रा टीम छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश के महिला किसानों द्वारा पंजीकृत किसान प्रोड्युसर कंपनी के कार्यो को देख समझकर वापस आई। टीम सदस्य अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि यह किसानो का कंपनी पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित है जो छिंदवाड़ा जिले में मुखेड़ तहसील के साबरी बाजार स्थित है। यह कंपनी संगम व प्रेरणा महिला मंडल के सहयोग व सृजन संस्था के मार्गदर्शन से चल रहा है। वहां महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी के सदस्यों के अनुभव सुनकर, और उनके कार्य देखने का अवसर मिला। टीम सदस्यों ने बताया कि हमलोग पहले दिन कंपनी की संगठनात्मक ढांचा बनाने तथा स्थानीय संसाधनों पर कार्य योजना बनाने, बाजारों की सुलभता सुनिश्चित करना जिससे किसानों की आय में वृद्धि कर रोजगार के अवसर सुनिश्चित कराना तथा रोजगार उत्पाद को प्रसारित उचित रेट पर हजारो घरों तक पहुंचाने के तरीके के पर चर्चा हुआ। उन्होंने बताया कि वहां शरीफा बहुत होता है और महिला किसान रोजगार के लिए उसके फल के गुद्दा निकालकर बेचते हैं जो आईसक्रीम में उपयोग होता है। वहां अन्य जैविक उत्पाद व बिक्री को देखने समझने का प्रयास किया। वहां से आए टीम सदस्य अपने कंपनी में प्रयोग करने के लिए उत्साहित हैं। टीम में रमेश भाई, रघुनाथ भाई, सुनीता, भगत सिंह, रामसिंह, रामसिंह, संगीता, रामवृक्ष, संदीप व मानती देवी शामिल रहे।

48,077 वादों का निस्तारण किया गया

महराजगंज। जनपद न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक, डॉ. कौस्तुभ ने राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 48,077 वादों का निस्तारण किया गया। यह अब तक राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित वादों की अधिकतम संख्या है। इसके अतिरिक्त समस्त राजस्व एवं चकबंदी न्यायालयों द्वारा 42,594 लंबित वादों का निस्तारण किया गया।

नोएडा के ऑडिटोरियम में विशेष उद्योग बंधु समिति की बैठक संपन्न

जनपद के औद्योगिक विकास में और अधिक गतिशीलता लाने के उद्देश्य से सभी उद्यमियों की समस्याओं का अधिकारीगण करें तत्काल निस्तारण।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गौतम बुद्ध नगर। जिला अधिकारी सुहास एल वाई ने उद्योगों से जुड़े हुए सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनपद गौतम बुद्ध नगर के औद्योगिक विकास को लेकर निरंतर स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि जनपद का औद्योगिक विकास और अधिक तेजी से आगे बढ़ सके। जिलाधिकारी सुहास एल वाई आज इंदिरा गांधी कला केंद्र नोएडा के ऑडिटोरियम में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान कर रहे थे। उन्होंने आयोजित उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमी संगठनों से जुड़े हुए समस्त प्रतिनिधियों की समस्याओं को बहुत ही गहनता के साथ अनुश्रवण किया। जिला अधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उद्यमी प्रतिनिधियों के द्वारा उद्योगों से जुड़ी हुई जो समस्याएं आज उद्योग बंधु की बैठक में रखी गई हैं संबंधित विभागीय अधिकारी गण अभियान चलाकर सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के संबंध में जो आवेदन पत्र उद्यमियों के द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे हैं सभी संबंधित अधिकारियों के द्वारा उन पर सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि जनपद में शासन की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक उद्योगों का संचालन संभव हो सके। इस अवसर पर उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर अनवरत रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर स्तर पर विशेष प्रयास सुनिश्चित किए जाएं ताकि सभी उद्योग अनवरत रूप से संचालित हो सके। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से यह भी कहा कि उद्यमियों के सम्मुख विद्युत के संबंध में आने वाली समस्याओं का निराकरण तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित करें। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण, यूपीसीडा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों का आह्वान करते हुये कहा कि उनके द्वारा उद्यमियों के सम्मुख आने वाले समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करना सुनिश्चित किया जायें ताकि उद्यमियों को जनपद में अपने उद्यम के संचालन में किसी भी परेशानी का सामना न करना पडेद्य। बैठक का सफल संचालन उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र अनिल कुमार के द्वारा किया गया। बैठक में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी गण, संबंधित अधिकारी गण एवं उद्यमी प्रतिनिधियों के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि को लेकर थाना पिपरी पर की गयी पीस कमेटी की बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह के नेतृत्व में थाना ओबरा पर एवं थाना प्रभारी पिपरी के नेतृत्व में थाना पिपरी पर पर आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि व वैलेन्टाइन डे को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत थाना क्षेत्र के विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं तथा सम्भ्रान्त व्यक्तियों के साथ शान्ति समितिध्पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी । इस दौरान बैठक में उपस्थित विभिन्न धर्मगुरुओं एवं सम्भ्रान्त व्यक्तियों से वार्ता कर उपरोक्त त्योहारों को सौहार्द एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी साथ ही सभी से अपील की गयी कि अराजक तत्वों के सम्बंध में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें । इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित अधिकारीध्कर्मचारीगण को भी थाना क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए आगामी त्यौहारों को सकुशल व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी।

व्यापारी नेता कंछल का नगर में व्यापारियों ने किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डाला (सोनभद्र)कोन क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सदस्य बनवारी लाल कंछल के डाला नगर आगमन पर व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। रविवार को वाराणसी शक्तिनगर मार्ग से कोन किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष के वाहनों का काफिला बाड़ी स्थित वैष्णो मंदिर पहुंचा जंहा उन्होंने रुककर दर्शन पूजन किया। इसके बाद नगर पंचायत क्षेत्र के बाजार में पहुंचते ही व्यापारियों ने कंछल का भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने किसी भी स्तर पर व्यापारियों का उत्पीड़न न होने देने का भरोसा दिलाया और कहा कि व्यापारियों के साथ अगर कहीं कोई ज्यादती होती है तो ऐसे मामलों को शासन स्तर पर रखा जाएगा ।व्यापारी वर्ग के हितों के लिए हमेशा तत्पर रहने की बात कही। इस दौरान जिला उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष रतन लाल गर्ग, श्रीनिवास दुबे, ओमप्रकाश शर्मा, उपेंद्र कुमार, संतोष अग्रहरी,विशाल कुमार, विनय जायसवाल, संजय गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2923 आयोजित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसीपुर। बलरामपुर स्वतंत्र भारत खेल मैदान में आयोजित अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता का का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच आज जिसमें बनारस. पटना बलरामपुर खैराबाद के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाना है जो बड़ा ही रोमांचक होना है। जिसके आयोजक श्री सलिल सिंह टीटू पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश तथा अध्यक्ष डॉ शरीफ. वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुकदेव चौरसिया उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह संयोजक मुजीब अल्बी महासचिव केसरी प्रसाद शुक्ला कोषाध्यक्ष रूपचंद्र गुप्ता है मैच 13 14 15 फरवरी को क्रमशः क्वार्टर फाइनल सेमीफाइनल वाह फाइनल खेला जाना है जिसका मैच रोमांचक होने की आशा है।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

पठान फिल्म के प्रदर्शन के विरोध में विहिप ने एनएच 39 को सांकेतिक जाम कर जताया विरोध

दैनिक बुद्ध का सन्देश

दुद्धीध सोनभद्र। कस्बे में डीआर सिनेमा की ओपनिंग के दिन आज रविवार को पठान फिल्म को प्रदर्शित किए जाने पर विहिप के कार्यकर्ताओं ने सिनेमा हॉल के बाहर एनएच 39 पर सड़क को सांकेतिक जाम कर फिल्म का विरोध जताया ,कहा कि हिन्दू भावना से खिलवाड़ बर्दास्त नही किया जाएगा ,सूचना पर मौके पर पहुँचे कस्बा इंचार्ज संजय सिंह ने सड़क को जाम कर रहे लोगों को समझा बुझा हटाया गया ,उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा कि उन्हें लिखित शिकायत दे तो उनकी मांग उच्च अधिकारियों तक पहुँचायी जाएगी। इस मौके पर विहिप जिला संयोजक आलोक जायसवाल , प्रखंड संयोजक सोनू जायसवाल , जिला मंत्री पीयूष अग्रहरी , विकास जौहरी , संदीप कुमार ,दिलीप पांडेय जिला मंत्री ,मनोज सिंह बबलू , बीजेपी मंडल महामंत्री मनीष जायसवाल ,सुमित सोनी ,दीपक गुप्ता ,पीयूष कसेरा ,कौशलेंद्र प्रताप सिंह ,मीरा गोंड आदि मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

ये 5 हेयरस्प्रे हैं हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन, आसान है घर पर बनाना

बाजार में मौजूद अधिकतर हेयरस्प्रे पैराबेंस, यूजेनोली, लिलियल और बेंजिल सैलिसिलेट जैसे विषाक्त रसायनों के साथ-साथ आर्टिफिशियल सुगंध से युक्त होते हैं और ऐसे हेयरस्प्रे का इस्तेमाल बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसी कारण बाजार से खरीदने की बजाय खुद ही ऐसे हेयरस्प्रे बनाएं, जो आपके बालों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। आइए आज हम आपको हर तरह के बालों पर इस्तेमाल किए जाने वाले पांच हेयरस्प्रे बनाने के तरीके बताते हैं।

चीनी का हेयरस्प्रे

चीनी का हेयरस्प्रे बालों को मॉइस्चराइज करने और उन्हें टूटने से बचाने में मदद कर सकता है, वहीं इसकी शेल्फ लाइफ एक से दो महीने की होती है। हेयरस्प्रे बनाने के लिए सबसे पहले एक कप फिल्टर किए हुए पानी को उबालें, फिर इसमें दो बड़ी चम्मच चीनी मिलाएं और इसे पूरी तरह से घुलने दें। अब गैस बंद कर दें और जब मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे एक स्प्रे बोतल में डालकर इसका इस्तेमाल करें।

नींबू का हेयरस्प्रे

नींबू में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं, जो बालों को पोषित करने के साथ-साथ उन्हें मजबूती देने में मदद कर सकते हैं। हेयरस्प्रे बनाने के लिए सबसे पहले दो कप पानी गर्म करें, फिर इसमें नींबू का रस और इसके छिलके डालकर उबालें। जब पानी आधा हो जाए तो गैस बंद करके मिश्रण को ठंडा होने दें। इसके बाद मिश्रण को एक चम्मच बेकिंग सोडा के साथ स्प्रे बोतल में डालें और फिर फ्रीज में स्टोर करें।

कैस्टर ऑयल हेयरस्प्रे

कैस्टर ऑयल विटामिन- ई, ओमेगा-6 फैटी एसिड, ओमेगा-9 फैटी एसिड और केराटिन का एक बेहतरीन स्रोत है, जो बालों को गहराई से पोषण देने और बालों के विकास के साथ-साथ उनके रूखेपन को दूर करने में मदद करते हैं। हेयरस्प्रे बनाने के लिए एक कप पानी गर्म करके इसमें दो बड़ी चम्मच चीनी डालें और जब चीनी अच्छे से घुल जाए तो मिश्रण में एक चम्मच कैस्टर ऑयल डालें। इसके बाद मिश्रण को ठंडा करके स्प्रे बोतल में डालें।

एलोवेरा का हेयरस्प्रे: फैटी एसिड, विटामिन्स, एंटी-बैक्टीरियल और हीलिंग गुणों से भरपूर एलोवेरा हेयरस्प्रे स्कैल्प को मॉइस्चराइज करने, डेड स्किन सेल्स को हटाने और बालों के विकास को बढ़ावा देने में सहायक हो सकता है। यह हेयरस्प्रे रूखे और बेजान बालों को ठीक करने में भी मददगार है। हेयरस्प्रे बनाने के लिए ताजा एलोवेरा जेल को पानी के साथ मिलाएं, फिर इसमें नारियल का तेल मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें और जब चाहें तब इसका इस्तेमाल करें।

गुलाब जल हेयरस्प्रे: गुलाब जल एक हल्का एस्ट्रिंजेंट है, जिसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, इसलिए अगर आप ऑयली स्कैल्प, डैंड्रफ और खुजली से परेशान हैं तो इस हेयरस्प्रे का इस्तेमाल करना आपके लिए लाभदायक हो सकता है। हेयरस्प्रे बनाने के लिए थोड़ा ताजा गुलाब जल गर्म करें, फिर इसमें चीनी डालें और जब तक यह पूरी तरह से घुल न जाए, गैस बंद न करें। अब इस मिश्रण को ठंडा करने के बाद एक स्प्रे बोतल में डालें और जरूरत अनुसार इस्तेमाल करें।

शॉर्ट्स में बला की खूबसूरत लग रहीं हैं नेहा मलिक

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। नेहा मलिक ने बहुत कम समय में इंडस्ट्री में ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिसके वजह से आज

वह किसी पहचान की मोहताज नहीं है। हाल ही में उनके लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के एक बार फिर से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। अभिनेत्री नेहा मलिक आए दिन अपने लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने व्हाइट शॉर्ट्स के साथ शाइनी लुक में क्रॉप शर्ट पहनी हुई है, जिसमें उन्होंने ओपन बटन किया है। ओपन बटन में कर के नेहा मलिक ने डीप नेक क्लीवेज फ्लॉन्ट कर कैमरे के सामने बेहद ही बोल्ड पोज दिए हैं। नेहा मलिक ने अपने बालों को स्टाइलिश लुक देते हुए कर्ली करवाए हैं और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के आउटलुक कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। फैंस को भी नेहा मलिक का हर एक लुक बेहद पसंद आता है। बता दें कि एक्ट्रेस इन तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि उनकी इंस्टाग्राम पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

दीपिका-प्रभास की प्रोजेक्ट के दो भागों में होगी रिलीज, बाहुबली की तर्ज पर बन रही फिल्म

दीपिका पादुकोण और प्रभास जल्द ही पैन इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट के में दिखेंगे। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है क्योंकि इसके जरिए दीपिका-प्रभास पहली बार साथ काम कर रहे हैं, वहीं फिल्म में अमिताभ बच्चन भी हैं, जो इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाते हैं। अब खबर है कि यह फिल्म बाहुबली की तरह भव्य होगी और इसे भी दो भागों में रिलीज करने की योजना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट के को बनाने की निर्देशक की सोच बहुत बड़ी है, जिसके चलते इसे दो भागों में रिलीज करने का फैसला किया गया है। यह बाहुबली की तरह होगी और भारतीय सिनेमा की बड़ी फिल्म होगी। वैजयंती मूवीस फिल्म का निर्माण कर रही है, जिसके सिनेमा निर्माण में 50 साल पूरे हो रहे हैं। पहले भाग की शूटिंग पूरी हो गई है। फिलहाल दूसरे भाग की शूटिंग की जा रही है। दोनों अलग-अलग समय पर रिलीज होंगे।

मूल रूप से यह तेलुगु में बन रही है, जिसे ना सिर्फ हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में, बल्कि अंग्रेजी भाषा में भी रिलीज करने की योजना है। इस फिल्म में अमिताभ की भूमिका महाभारत के अश्वत्थामा से प्रेरित है, वहीं प्रभास एक सुपरहीरो के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में ऐसे विजुअल दिखाए जाएंगे, जिन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। यह तीसरे विश्व युद्ध की संभावना पर आधारित है। फिल्म के निर्देशक और लेखक नाग अश्विन हैं।

नाग अश्विन एक लोकप्रिय फिल्म निर्देशक और स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने 2018 में महानती नाम की एक सुपरहिट तेलुगु फिल्म निर्देशित की थी। इसके लिए अश्विन को बेस्ट डायरेक्टर का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। महानती को बेस्ट फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है।

प्रोजेक्ट के से दीपिका तेलुगु सिनेमा में पदार्पण कर रही हैं। उन्होंने कन्नड़ फिल्म ऐश्वर्या से 2006 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। 2014 में दीपिका ने फिल्म कोचादइयां से तमिल फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। अब प्रोजेक्ट के से वह तेलुगु फिल्मों में कदम बढ़ा रही हैं। इस फिल्म से उनकी पहली झलक भी सामने आ चुकी है, जिसे इसी साल जनवरी में दीपिका के जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर साझा किया गया था।

पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की अगली फिल्म में भी प्रभास मुख्य भूमिका निभाएंगे। आदिपुरुष उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। वह फिल्म सालार लेकर आ रहे हैं। स्पिरिट भी प्रभास की आगामी चर्चित फिल्मों में शुमार है। दूसरी तरफ दीपिका हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान लेकर आई हैं। वह फाइटर में भी काम कर रही हैं, जिसमें उनकी जोड़ी ऋतिक रोशन के साथ बनी है। दीपिका फिल्म सिंघम अगेन में दिखेंगी। वह ब्रह्मास्त्र 2 का हिस्सा भी हैं।

राधिका मदान अभिनीत फिल्म सना का प्रीमियर सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट में होगा

राधिका मदान अभिनीत फिल्मकार सुधांशु सरिया के निर्देशन में बनी फिल्म सना का सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में उत्तर अमेरिकी प्रीमियर होगा और यह इस समारोह में दिखाई

जाने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म होगी। सरिया ने कहा, मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि उत्सव ने सना को आमंत्रित करने और फिल्म को उत्तरी अमेरिका में लॉन्च करने के लिए चुना है। उनकी प्रतिक्रिया फिल्म की सार्वभौमिकता और महिला एजेंसी और स्वायत्तता के बारे में बातचीत की तत्काल आवश्यकता की पुष्टि करती है - विशेष रूप से अमेरिका के संदर्भ में।हॉलीवुड के जाने-माने सितारे और ऑस्कर नॉमिनेट जैसे ब्रेंडन फ्रेजर, केट ब्लैंचेट और कॉलिन फैरेल इस साल फेस्टिवल में शिरकत करते नजर आएंगे। सना एक महत्वाकांक्षी और जिद्दी महिला के बारे में है जो अनसुलझे आघात के कारण आंतरिक लड़ाई लड़ रही है। फिल्म में राधिका के साथ सोहम शाह, शिखा तलसानिया और पूजा भट्ट मुख्य भूमिका में हैं।सना का हाल ही में 26वें टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

साइटिकाः जानिए पीठ की समस्या के कारण, लक्षण और बचाव

साइटिका शरीर में मौजूद सबसे बड़ी नस साइटिका में होने वाली परेशानी है। साइटिका नस कमर के निचले हिस्से से शुरू होकर कूल्हों से होती हुई एड़ियों तक जाती है। यही कारण है कि इसमें आने वाली समस्या आपके कमर के नीचे के पूरे भाग को प्रभावित करती है। आइए आज हम आपको इस समस्या के कारण, लक्षण और इलाज के बारे में बताते हैं ताकि समय रहते इससे बचा जा सके।

साइटिका के कारणः साइटिका का मुख्य कारण साइटिका नस पर चोट लगना या इस पर दबाव पड़ना हो सकता है। इसके अतिरिक्त, रीढ़ के हड्डी में असंतुलन, स्पाइनल स्टेनोसिस की समस्या, पिरिफोर्मिस सिंड्रोम और पेल्विक की चोट भी इसके कारण हो सकते हैं। ट्यूमर भी इस समस्या को पैदा करने का कारण बन सकता है। आमतौर पर 30 से 50 साल की आयु के बीच इस समस्या के होने की संभावना बढ़ जाती है।

साइटिका से जुड़े लक्षणः पीठ के निचले हिस्से में दर्द और झनझनाहट महसूस होना साइटिका की समस्या के मुख्य लक्षण हैं। मांसपेशियों में कमजोरी महसूस होना, पैरों में सुन्नपन का अहसास, उठने-बैठने में काफी परेशानी होना भी साइटिका के लक्षण हैं। किसी एक पैर में तेज दर्द होना या पैरों की उंगलियों में दर्द होना भी साइटिका के लक्षण हैं। अगर आपको ये लक्षण दिखने लगे तो डॉक्टर से संपर्क करें।

साइटिका का कैसे पता लगाया जा सकता है?

अगर आपको खुद में साइटिका की समस्या के लक्षण दिखने लगें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि समय रहते समस्या के जोखिमों को कम किया जा सके। इसके लिए डॉक्टर आपको सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन कराने की सलाह दे सकते हैं। इसके अलावा साइटिका का पता लगाने के लिए डिस्कोग्राम टेस्ट या माइलोग्राम टेस्ट को भी बेहतर माना जाता है। इससे पीठ की स्थिति का पता लगाना आसान होता है।ः साइटिका का इलाज

फिजिकल थेरेपी साइटिका का इलाज हो सकता है। इसके अतिरिक्त डॉक्टर आपको कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी कराने की सलाह दे सकते हैं। अगर स्थिति गंभीर हो जाए तो डॉक्टर आपको सर्जरी करवाने को भी कह सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो विकल्प (लम्बर लैमिनेक्टॉमी और डिस्केक्टॉमी) हो सकते हैं। हालांकि, जीवनशैली में थोड़ा सुधार करके भी इस समस्या से सुरक्षित रहा जा सकता है।